RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष: 11 अंक: 70 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, रविवार, 06 सितंबर 2026 | मूल्य: 4 रुपए | पृष्ठ: 08

ब्रीफ न्यूज

केरल में खड़ी लॉरी से भिड़ी कार, 8 इंजीनियरिंग छात्रों की मौत

त्रिशूर, आरएनएन। केरल के त्रिशूर जिले में शुक्रवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में तमिलनाडु के आठ इंजीनियरिंग छात्रों की मौत हो गई। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर काइपमंगलम के पास पनमबिक्कुन्नू में रात करीब 11.40 बजे हुआ। छात्रों की कार सड़क किनारे खड़ी लॉरी के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार छात्र अंदर फंस गए।

दिनेश शर्मा अंडमान और निकोबार द्वीप के उप-राज्यपाल नियुक्त

नई दिल्ली, आरएनएन। उत्तर प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा को अंडमान निकोबार द्वीप का उपराज्यपाल बनाया गया है। फिलहाल वह राज्यसभा सांसद हैं, जिनका राज्यसभा का कार्यकाल अगले हफ्ते खत्म हो रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। यह नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होगी।

शुद्धिकरण मामले पर कल दिल्ली में जुटेंगे कांग्रेस के दलित सांसद

नई दिल्ली, आरएनएन। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की हल्द्वानी रैली के बाद सामने आए शुद्धिकरण मामले को लेकर कांग्रेस ने दिल्ली में बड़ी बैठक बुलाई है। 7 सितंबर को कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में होने वाली इस बैठक में देशभर से पार्टी के दलित सांसद शामिल होंगे। जानकारी के मुताबिक, बैठक में मल्लिकार्जुन खड़गे को छोड़कर कांग्रेस के सभी 15 दलित सांसदों के शामिल होने की संभावना है। बैठक में हल्द्वानी की घटना पर चर्चा के साथ आगे की रणनीति पर भी विचार किया जाएगा।

ड्रग टेस्ट पॉजिटिव आने पर एयर इंडिया ने पायलट को हटाया

नई दिल्ली, आरएनएन। एयर इंडिया ने फुकेत-दिल्ली फ्लाइट के पायलट-इन-कमांड की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। पायलट का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव आया था। मीडिया के मुताबिक एयरलाइन ने यह घोषणा जांच एजेंसी एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की फुकेत फ्लाइट घटना पर आई शुरुआती रिपोर्ट के कुछ घंटे बाद की। रिपोर्ट में पायलट के ड्रग इस्तेमाल को गंभीर चिंता का विषय बताया गया था और नियामक डीजीसीए से उचित कार्रवाई करने को कहा गया था। एक महीने पहले चार अगस्त को फुकेत से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के एयरबस ए320 की ऊंचाई अचानक लगभग 91 मीटर (300 फीट) कम हो गई। इससे 13 यात्री और चार क्रू

जेन-जी से सीधी बात में प्रधानमंत्री का विपक्ष पर वार

प्रधानमंत्री मोदी बोले- सभी नाराज फूफाओं को भारत ने दिया जवाब

पीएम ने कहा- देश के लिए जो जरूरी है, उसे करने से भारत को कोई नहीं रोक सकता

● नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के शताब्दी समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने हर मुद्दे पर सवाल उठाने और विरोध करने वालों को **नाराज फूफा** बताते हुए कहा कि उनका एक ही सवाल होता है...इसकी क्या जरूरत है? पीएम ने कहा कि देश के लिए जो जरूरी है, उसे करने से भारत को कोई नहीं रोक सकता। शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री ने कॉलेज की 100 वर्षों की उपलब्धियों की सराहना की और कहा कि एसआरसीसी ने बिजनेस, सार्वजनिक जीवन और समाज के लिए कई पीढ़ियों के नेतृत्व को तैयार किया है। इस अवसर पर उन्होंने 100 रुपये का स्मारक सिक्का भी जारी किया। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त के लाल किले से दिए अपने भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल कर विरोधियों को होम्योपैथी की गोली दी थी। उन्होंने कहा कि इसके बाद विरोधी बौखलाने लगे और जनता उनका असली रंग देख रही है। प्रधानमंत्री ने युवाओं से बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश की नाव भी अपनी हो और नाविक भी अपना हो। युवाओं की उड़ान, जज्बा और संकल्प भारत के भविष्य की दिशा तय करेंगे।

नाराज फूफा हर काम पर पूछते हैं- इसकी क्या जरूरत है

छात्रों से संवाद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कॉलेज से निकलने के बाद उनका सामना दो तरह के लोगों से होगा। एक वे, जो समाज की शक्ति को राष्ट्र की शक्ति में बदलने का प्रयास करते हैं। दूसरे वे, जो किसी भी काम की शुरुआत होते ही नाराज फूफा बन जाते हैं और हर चीज का विरोध करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश में दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा बनाई जा रही थी, तब भी सवाल उठाया गया कि इसकी क्या जरूरत है। हाई-स्पीड ट्रेन और नई संसद के निर्माण के समय भी इसी तरह के सवाल किए गए। उन्होंने कहा कि देश के वीर सैनिकों के सम्मान में स्मारक बनाया गया, तब भी इन लोगों ने पूछा कि इसकी क्या जरूरत थी। मोदी ने कहा, भारत ने इन सभी फूफाओं को जवाब दिया है। देश के लिए जो जरूरी है, उसे करने से भारत को कोई नहीं रोक सकता।

ये मोदी है, माई-बाप कल्चर के सामने खड़ा है चट्टान बनकर

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह जानते हैं कि सच की हुंकार के आगे झूठ की गूंज टिक नहीं सकती। उन्होंने कहा, ये मोदी है। जो माई-बाप कल्चर के हिमायती हैं, उनके सामने चट्टान बनकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि उनके अंदर हिम्मत है, इसलिए वे वर्षों पहले कही गई बातों की याद दिलाने के साथ अपना रिपोर्ट कार्ड भी युवाओं के सामने रख रहे हैं।

एसआरसीसी के पूर्व छात्र जेन-जी की भाषा में ओजी

प्रधानमंत्री ने एसआरसीसी के पूर्व छात्रों का जिक्र करते हुए उन्हें जेन-जी की भाषा में ओजी यानी ओरिजनल गैंगस्टर बताया। उन्होंने कहा कि कॉलेज के पूर्व छात्रों ने भले हर क्षेत्र में धुरंधर की पहचान न बनाई हो, लेकिन दुनियाभर में अपनी छाप जरूर छोड़ी है।

पब्लिक के सामने कैसे बोलें?

पीएम मोदी ने किया सवाल तो महिला शिक्षक बोलीं- बस कॉन्फिडेंस चाहिए

पीएम ने शिक्षक दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त 48 शिक्षकों से की बात

नई दिल्ली, आरएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को शिक्षक दिवस पर उन 48 शिक्षकों से बातचीत की, जिन्हें आज राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पीएम मोदी ने एक टीचर से अपनी पब्लिक स्पीकिंग स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए कोई सुझाव मांगा। पीएम मोदी ने पूछा, अगर मैं आपका छात्र होता और एक कुशल वक्ता बनना चाहता, तो आप मुझे क्या सुझाव देतीं? मुझे क्या करना चाहिए। इस पर शिक्षिका ने जवाब देते हुए कहा, आपके अंदर एक तो कॉन्फिडेंस होना चाहिए। इस पर प्रधानमंत्री समेत सारे टीचर्स हंसने लगे तो पीएम मोदी ने कहा, कैसे आएगा? फिर टीचर ने कहा, पहले तो बहुत सारी प्रैक्टिस होगी। आपका औरा यानी आभा देखकर मैं खुद भी थोड़ी घबरा गई थी। इस पर पीएम मोदी ने कहा, इसका मतलब है कि अगर पब्लिक स्पीकर बनना है तो औरा नहीं होना चाहिए। फिर टीचर ने कहा, आपका तो पहले से ही है सर। फिर पीएम मोदी ने कहा, फिर तो लोग सुनेंगे ही नहीं, आपको देखते ही रहेंगे। टीचर ने आगे कहा, आपको तो देखते ही रहेंगे सर। पीएम मोदी ने स्क्रीन टाइम का भी जिक्र किया है। प्रधानमंत्री ने एक शिक्षक से बातचीत के दौरान कहा, स्क्रीन टाइम अब एक तरह की लत बन गया है। मेरे मन में एक विचार आता है, अगर कोई बच्चा खेलों में गहरी रुचि लेने लगे और खेलों से मेरा मतलब वीडियो गेम नहीं, बल्कि मैदान पर वास्तविक खेल है, तो वह धीरे-धीरे इस लत से मुक्त हो सकता है। इस संदर्भ में, हम बच्चों को जितनी अधिक रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करेंगे, हमें उतना ही अधिक ऐसे कार्यक्रम तैयार करने की आदत डालनी चाहिए जो इसे बढ़ावा दें। उन्होंने आगे कहा, कुछ बड़े शहरों या विश्वविद्यालयों में ड्रेस कोड का मुद्दा उठा है, इस बारे में अक्सर जागरूकता की कमी होती है। कभी-कभी बिना किसी स्पष्टीकरण के नियम थोप दिए जाते हैं।

डिजिटल अरेस्ट के मामलों में सीबीआई का बड़ा एक्शन

● नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर बड़ा एक्शन लिया है। सीबीआई ने देशभर में एक साथ छापेमारी की है। यह कार्रवाई 20 राज्यों में 89 ठिकानों पर की गई।

20 राज्यों में एक साथ की छापेमारी, तीन आरोपी गिरफ्तार

ऑपरेशन चक्र-वीआई के तहत हुई इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसी ने बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और कई अहम सबूत जब्त किए हैं। सीबीआई का कहना है कि इस कार्रवाई का मकसद डिजिटल अरेस्ट के पीछे काम कर रहे पूरे गिरोह तक पहुंचना है। सीबीआई ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़े तीन मामलों में यह कार्रवाई की है। जांच के दौरान सामने आया कि साइबर ठग खुद को पुलिस और दूसरे सरकारी विभागों के अधिकारी बताकर लोगों को डराते थे। इसके बाद पीड़ितों को डिजिटल तरीके से हिरासत में रखने का दावा किया जाता था। उनसे बड़ी रकम ट्रांसफर कराई जाती थी।

तीन पीड़ितों से ठगे 42.36 करोड़ रु.

सीबीआई ने इन मामलों की जांच में बैंक खातों और ऑनलाइन गतिविधियों से जुड़े डेटा का भी एनालिसिस किया। इसके आधार पर देशभर में 89 जगहों की पहचान की गई। इसके बाद अलग-अलग राज्यों में एक साथ छापेमारी की गई। सीबीआई के मुताबिक, तीन मामलों में पीड़ितों को लंबे समय तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया। पहले मामले में बीआईटीएस पीलानी से जुड़े एक पीड़ित को करीब तीन महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया। उससे 7.67 करोड़ रुपये की ठगी की गई। दूसरे मामले में गुजरात के एक पीड़ित को करीब तीन महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया। इस दौरान उससे 19.24 करोड़ रुपये ठग लिए गए। तीसरे मामले में कर्नाटक के एक व्यक्ति को करीब एक महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया। उससे 15.45 करोड़ रुपये की रकम ठगी गई।

सहारनपुर कलेक्ट्रेट में बनी मस्जिद पर चला बुलडोजर

सहारनपुर, आरएनएन। सहारनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर में बनी मस्जिद को लेकर प्रशासन की कार्रवाई तेज हो गई है। रातभर चली कार्रवाई के बाद मस्जिद में सीलिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली गई। वहीं, शनिवार सुबह मस्जिद के एक हिस्से को गिरा दिया गया।

बता दें कि कोर्ट के आदेश के बाद मस्जिद को लेकर प्रशासन की सक्रियता बढ़ी है और इलाके में हाई अलर्ट जैसा माहौल है। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी है। अब तक मस्जिद का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा ध्वस्त किया जा चुका है और दो जेसीबी से बाकी हिस्से को गिराने का काम चल रहा है। नगर निगम के आधा दर्जन से अधिक डंपर मलबा लेकर बाहर निकल चुके हैं। डीआईजी अभिषेक सिंह ने कहा कि अदालत के आदेश के क्रम में निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर कानूनी कार्रवाई के तहत ध्वस्तीकरण किया जा रहा है।

वांगचुक की चेतावनी बात न बनी तो शुरू करेंगे बड़ा आंदोलन

नई दिल्ली, आरएनएन। लेह एपेक्स बॉडी और क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने चेतावनी दी है कि अगर गृह मंत्रालय के साथ होने वाली सब-कमेटी की बैठक से कोई ठोस नतीजा नहीं निकला, तो वे बहुत बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू करेंगे। वार्ता का अहम दौर 9 सितंबर को नई दिल्ली में होना है। क्षेत्रीय नेताओं ने वार्ता का स्वागत किया है, लेकिन यह भी साफ कर दिया है कि उनके अगले कदम पूरी तरह से वार्ता के नतीजे पर निर्भर करेंगे।

लद्दाख मामले में केंद्र पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप

आंदोलन तेज होगा: दिल्ली में 9 सितंबर को गृह मंत्रालय के साथ सब-कमेटी की बैठक से पहले लेह एपेक्स बॉडी ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार उनकी मुख्य मांगों पर ठोस प्रगति करने में नाकाम रहती है, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। अगस्त 2019 में लद्दाख को यूटी का दर्जा मिलने के बाद से लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) मिलकर इन मांगों को लेकर आंदोलन चला रहे हैं और 2021 से केंद्र के साथ वार्ता के कई दौर कर चुके हैं।

अमेरिका ने अब खार्ग द्वीप के पास ईरानी तेल टैंकर पर किया हमला

● वाशिंगटन

ईरान के मुख्य तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप के पास शनिवार को अमेरिकी बलों ने एक ईरानी तेल टैंकर पर हमला किया। ईरान की अर्द्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने यह जानकारी दी। खार्ग से तस्नीम के संवाददाता ने बताया कि द्वीप के पास लंगर डाले टैंकर पर अमेरिका की ओर से चार मिसाइलें दागी गयीं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और जहाज के चालक दल को बाहर निकाला जा रहा था। ईरानी अधिकारियों ने तत्काल इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, जबकि अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

बताया जा रहा है कि यह हमला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की 31 अगस्त की उस धमकी के कुछ ही दिन बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पंक्ति की पोस्ट के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार वीडियो साझा किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि खार्ग द्वीप को टुकड़े-टुकड़े कर दिया जा रहा है। ईरानी अधिकारियों ने इससे पहले चेतावनी दी थी कि द्वीप पर हमला होने की स्थिति में वह भारी जवाबी कार्रवाई करेगा।

ईरान पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है और युद्ध से पहले वह अपने कच्चे तेल का करीब 90 प्रतिशत खार्ग द्वीप के रास्ते निर्यात करता था। अप्रैल के मध्य में अमेरिका द्वारा ईरानी तेल की खेपों पर समुद्री नाकाबंदी लगाए जाने के बाद से इन निर्यातों पर गंभीर असर पड़ा है।

ईरानी इकोनॉमी पर असर

खार्ग पर किसी और हमले से ईरान के तेल उद्योग पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है और पहले से ही समुद्री नाकाबंदी के प्रभावों से जूझ रही उसकी अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है। ट्रंप ने 11 जून को कहा था कि वह खार्ग द्वीप पर नियंत्रण करना चाहते हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद उन्होंने कहा कि फिलहाल द्वीप को निशाना बनाकर अमेरिकी सैन्य अभियान की योजना नहीं है। यह घटनाक्रम तेहरान और वाशिंगटन के बीच 17 जून को हुए अंतरिम समझौते से कुछ पहले का है, जिसका उद्देश्य युद्ध समाप्त करना था। होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर मतभेदों के बीच यह समझौता कुछ ही दिनों में टूट गया। अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ शुरू किए गए युद्ध के शुरुआती दौर में ईरान ने रणनीतिक होर्मुज को बंद कर दिया था। इससे पहले दुनिया के कुल वाणिज्यिक तेल परिवहन का करीब पांचवां हिस्सा इस मार्ग से होकर गुजरता था।

रूस पहुंचे ट्रम्प के दामाद तो पुतिन ने 3 दिन तक यूक्रेन पर हमला नहीं करने का किया ऐलान

● मास्को / आरएनएन

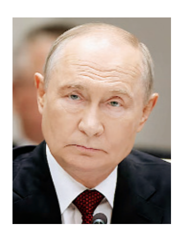

इस कूटनीतिक घटनाक्रम ने खींचा दुनिया का ध्यान

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को यूक्रेन की राजधानी कीव पर जारी रूसी हमलों को तीन दिनों के लिए रोकने का आदेश दिया है। यह बड़ा फैसला ठीक उस वक्त आया जब अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर की टीम मॉस्को पहुंची है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच शनिवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बड़ा कदम उठाया है। पुतिन यूक्रेन पर रूसी हमलों को तीन दिनों के लिए रोकने का ऐलान किया है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर मॉस्को पहुंच चुके हैं। दोनों अमेरिकी अधिकारियों के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने और यूक्रेन युद्ध को लेकर अहम बातचीत करने की उम्मीद है। ऐसे में पुतिन का तीन दिनों के लिए हमले रोकने का फैसला वार्ता के लिहाज से काफी अहम है। मॉस्को पहुंचने पर रूसी राष्ट्रपति के विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव ने दोनों अमेरिकी अधिकारियों का स्वागत किया। इसके बाद विटकॉफ, कुशनर और दिमित्रिएव का काफिला मॉस्को के सरकारी एयरपोर्ट से शहर की ओर रवाना हुआ। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच एक बड़े कूटनीतिक घटनाक्रम ने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर रूसी हमलों को तीन दिनों के लिए रोकने का आदेश दिया है। खास बात यह है कि यह फैसला यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के उस बयान के एक दिन बाद आया है। इस बयान में उन्होंने अमेरिकी दूतों की यात्रा के दौरान यूक्रेन की ओर से भी हवाई हमले रोकने की बात कही थी।

एयर शो के बीच फैंटम एफ-4 जेट क्रैश, दो पायलटों की मौत

एथेंस, आरएनएन। ग्रीस में शनिवार को एयर शो के दौरान बड़ा हादसा हुआ। एथेंस से करीब 60 किमीर उत्तर में स्थित तानाग्रा एयर फोर्स बेस पर ग्रीक वायुसेना का फैंटम एफ-4 जेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में दो पायलट सवार थे। दोनों की मौत हो गई। हादसे के वक्त एयर शो देखने के लिए हजारों लोग मौजूद थे। हालांकि, दर्शकों में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। हादसा तानाग्रा एयर फोर्स बेस पर हुआ, जो एथेंस से करीब 60 किमी दूर है। दुर्घटनाग्रस्त विमान दो सीटों वाला फैंटम एफ4 जेट था, जिसमें दोनों पायलट मौजूद थे। विमान एयर शो के दौरान कम ऊंचाई पर एक करतब दिखा रहा था। इसी दौरान जेट जमीन से जा टकराया और उसके बाद मौके पर आग लग गई। हादसे के बाद आसमान में काले धुएं का बड़ा गुबार दिखाई दिया। एयर शो में हजारों दर्शक मौजूद थे, लेकिन उनमें किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दुर्घटना के बाद सप्ताहांत के बाकी सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए। हादसा उस समय हुआ जब फैंटम एफ4 जेट कम ऊंचाई पर एक एरियल मैन्युवर कर रहा था।

बांद्रा टर्मिनस एवं पालिताना के बीच चलेगी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा पर्युषण पर्व के कारण यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए बांद्रा टर्मिनस और पालिताना के बीच विशेष किराये पर सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त, मुंबई सेंट्रल एवं अहमदाबाद तथा मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेनों के फेरों को भी विस्तारित किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09023/09024 बांद्रा टर्मिनस-पालिताना सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे) ट्रेन संख्या 09023 बांद्रा टर्मिनस-पालिताना सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 06 सितंबर, 2026 को बांद्रा टर्मिनस से 19:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:25 बजे पालिताना पहुँचेगी।

बढ़ी ताकत | अडाणी डिफेंस 5 साल तक आपूर्ति करेगी, आईआरआरपीएल से हुआ करार

सेना के लिए अब भारत में बनेंगी एके-203 राइफल की गोलियां

● नई दिल्ली

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने एके203 असॉल्ट राइफल प्रोग्राम के लिए स्वदेशी 7.62 339 एमएम छोटे कैलिबर वाले गोला-बारूद की सप्लाई के लिए इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) के साथ पांच साल का समझौता किया है। यह पार्टनरशिप एके-203 राइफल बनाने और देश में ही गोला-बारूद बनाने की प्रक्रियाओं को जोड़ती है, जिससे कॉन्ट्रैक्ट की अवधि के दौरान भारत में एक इंटीग्रेटेड और लगातार सप्लाई चेन बनी रहती है। इसे यूपी के शहरों में बनाया जाएगा।

कहां होगा निर्माण: इस व्यवस्था के तहत, अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस असॉल्ट राइफलों के लिए गोला-बारूद की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी पहले से मौजूद छोटी कैलिबर वाली गोला-बारूद बनाने की क्षमताओं का इस्तेमाल करेगी, जिसमें कानपुर में मौजूद प्रोडक्शन फैसिलिटी भी शामिल है। 7.62 339 एमएम राउंड के लिए भारतीय स्रोत उपलब्ध कराकर, यह समझौता बाहरी सप्लाई लाइनों पर निर्भरता कम करता है और सशस्त्र बलों के लिए सप्लाई की निरंतरता सुनिश्चित करता है।

अमेठी में बन रही एके-203 राइफल

आईआरआरपीएल को 2019 में भारतीय सशस्त्र बलों के लिए एके-203 असॉल्ट राइफल बनाने के लिए भारत-रूस अंतर-सरकारी समझौते के बाद बनाया गया था। यह जॉइंट वेंचर उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के कोरवा में एक मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी चलाता है। यह कंपनी भारतीय शेयरधारकों एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड और म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड - और रूसी पार्टनर्स - कंसर्न कलाश्निकोव और रोसोबोरोनएक्सपोर्ट - के बीच एक सहयोग है।

आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य बढ़ रहा

दिसंबर 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने कोरवा फैसिलिटी में 6,01,427 एके-203 राइफलों के प्रोडक्शन के लिए आईआरआरपीएल के साथ एक औपचारिक कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए। इन हथियारों को सपोर्ट करने के लिए गोला-बारूद की एक भरोसेमंद, स्थानीय रूप से निर्मित सप्लाई लाइन हासिल करके, यह नया समझौता छोटे हथियारों के इकोसिस्टम में घरेलू क्षमताओं को मजबूत करता है और रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को आगे बढ़ाता है।

हैदराबाद में बनेगा भारत का सबसे बड़ा एआई सेंटर

● हैदराबाद

भारत के टेक परिदृश्य में अब तक के सबसे बड़े माने जा रहे एआई निवेश की तैयारी पूरी हो चुकी है। आईटी दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने तेलंगाना में एक गीगावाट क्षमता का अत्याधुनिक एआई सेंटर बनाने की घोषणा की है। यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा अत्याधुनिक एआई सेंटर होगा।

भारत में एआई में निवेश करेगा टीसीएस

टीसीएस इस केंद्र पर 700 अरब रुपये का निवेश करने वाली है। टीसीएस की सहायक कंपनी हाइपरवॉल्ट और इसके साझेदारों ने शनिवार को यह घोषणा की। टीसीएस के सीईओ कृतिवासन ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए हैदराबाद में 264 एकड़ जमीन ले ली गई है।

एडवांस्ड कंप्यूटिंग को मिलेगी अभूतपूर्व रफ्तार: यहां एआई सेंटर का विकास चरणों में होगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हैदराबाद में वैश्विक ग्राहकों को सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक जरूरी मानक और इकोसिस्टम मौजूद हैं। इस मेगा परियोजना से भारत एआई के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर मजबूत उपस्थिति दर्ज करा सकेगा।

बोर्ड लगा बजट आया काम गायब - कारोई में 7 महीने बाद भी नहीं बनी 7.50 लाख की सड़क-नाली, नरेगा पर सवाल

11 फरवरी को स्वीकृत हुई थी बद्री लाल दरोग़ा के घर से सगर बावजी तक सड़क

7.50 लाख की स्वीकृति, जमीन पर सिर्फ कीचड़ और झाड़ियां....

ग्रामीणः 'बोर्ड तो लग गया, अब रोड भी लगवा दो'

विकास का बोर्ड और हकीकत का कीचड़

स्मार्ट हलचल

गुरलाः-भीलवाड़ा जिले पंचायत समिति सुंवाणा के ग्राम पंचायत कारोई में विकास का एक पीला-लाल बोर्ड तो शान से लगा है। उस पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा है 7.50 लाख की सड़क और नाली स्वीकृत '। लेकिन बोर्ड से 2 कदम दूर जमीन पर वही पुराना कच्चा रास्ता है - कीचड़, गड्ढे और झाड़ियां। तस्वीर इसी दोहरे चरित्र को उजागर करती है नरेगा योजना के तहत 11-

02-2026 को स्वीकृत हुआ ये काम आज 7 महीने बाद भी कागजों से आगे नहीं बढ़ पाया। सवाल ये है कि आखिर 7.5 लाख का बजट गया कहां बोर्ड क्या कहता है - सबूत के साथ फोटो में लगे बोर्ड के अनुसार योजना का नाम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना कार्य का नाम बद्री लाल दरोगा के मकान से सगर बावजी तक सी.सी.रोड एवं नाली निर्माण कार्य कार्य कोड :3633/112908850018 **गांव कारोई, पंचायतः कारोई स्वीकृति दिनांकः11-02-2026**

स्वीकृत राशि श्रम 1.37 लाख + सामग्री 6.13 लाख कुल 7.50 लाख रुपये कार्य प्रारम्भ तिथि खाली कार्य पूर्ण तिथि खाली कार्य एजेंसी : ग्राम पंचायत - कारोई। मतलब फरवरी में पैसा स्वीकृत हो गया। नियम के अनुसार 15 दिन में काम शुरू होना चाहिए था। लेकिन सितंबर आ गया, न मजदूर दिखे न सामग्री।ग्राउंड जीरोः जमीनी हकीकत बोर्ड जिस खंभे पर लगा है उसके चारों तरफ कच्चा रास्ता बरसात में 4-5 इंच कीचड़ जमा हो जाता है नाली का नामोनिशान नहीं: पानी भरकर सड़ता है, मच्छर पनपते हैं झाड़ियां और कचराः रास्ते पर आवारा पशु और सांप का डर स्कूल-हॉस्पिटल का रास्ता ये रास्ता गांव को मुख्य सड़क से जोड़ता है स्कूली बच्चे यूनिफॉर्म रोज खराब। माता-पिता बरसात में बच्चों को स्कूल नहीं भेजते। महिलाएं पानी भरने, राशन लाने में सबसे ज्यादा दिक्कत। गिरकर चोटिल भी हुई हैं। ग्रामीणों की पीड़ा - उनके शब्दों में हमने वोट दिया विकास के लिए। बोर्ड लगा तो लगा कि अब रोड बनेगी। 6 महीने से रोज देखते हैं, सिर्फ बोर्ड बड़ा हो रहा है। हम पंचायत सचिव सरपंच साहब के कहीं चक्कर लगा चुके। हर बार कहते हैं 'फाइल चल रही है'। अरे फाइल चलेगी या रोड जिम्मेदार कौन? जवाबदेही तय हो सरपंच और सचिव कार्य एजेंसी होने के नाते पहले जिम्मेदार BDO, पंचायत समिति मासिक प्रगति रिपोर्ट नहीं ली नरेगा जिला समन्वयक ऑनलाइन पोर्टल पर काम जीरो दिख रहा है फिर भी चुप जनप्रतिनिधिक्षेत्रीय विधायक-सांसद को जानकारी नहीं या ध्यान नहीं कारोई का ये बोर्ड पूरे सिस्टम का आईना है। जहां कागजों पर विकास दौड़ रहा है और जमीन पर लोग कीचड़ में फंसे हैं। 7.5 लाख कोई छोटी रकम नहीं। इतने सी.सी.रोड आराम से बन सकती है। लेकिन इच्छाशक्ति नहीं है।सरकार से, प्रशासन से और पंचायत से कारोई की जनता की एक ही मांग है - हमें भाषण नहीं, पक्की सड़क चाहिए। हमें बोर्ड नहीं, नाली चाहिए। जब तक आखिरी गांव की आखिरी गली पक्की नहीं होगी, तब तक 'विकसित राजस्थान' का सपना अधूरा है।

सड़क के नाम पर खानापूर्ति अमरतिया-पितास मार्ग बना ग्रामीणों की परेशानी, चुनावी चेतावनी से बढ़ी सियासी हलचल

स्मार्ट हलचल

आकोला / कोटड़ी तहसील के अमरतिया और अमरतिया का झुपड़ा गांव में बदहाल सड़क को लेकर

ग्रामीणों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है। वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के अभाव और प्रशासनिक अनदेखी और पंचायत की ओर से भी इसका समाधान नहीं करने के आरोपों के बीच ग्रामीणों ने जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों के अनुसार अमरितया-पितास सड़क का काम करीब 8-9 महीने पहले शुरू हुआ था, लेकिन ठेकेदार आधा-अधूरा काम छोड़कर चला गया। सड़क की बदहाली के चलते मरीजों, महिलाओं और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आखिर क्या कारण रहा होगा कि ठेकेदार को काम बंद करना पड़ा हालात इतने खराब हुए कि ग्रामीणों को खुद आगे आना पड़ा। वीडियो में दिखाई दे रहे सड़क के गड्ढों को ग्रामीणों ने अपने स्तर पर मिट्टी डलवाकर भरने का प्रयास किया, लेकिन बारिश और जलभराव के कारण समस्या फिर जस की तस बनी हुई है। अब ग्रामीणों का कहना है कि अस्थायी मिट्टी भरने से समाधान नहीं होगा, सड़क का स्थायी निर्माण जरूरी है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो आगामी चुनाव में इसका असर देखने को मिलेगा और किसी भी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं को गांव में प्रवेश करने से पहले समस्या का सामना भी करना पड़ सकता हैं अब नजर प्रशासन और जिम्मेदार विभाग पर—क्या ग्रामीणों की आवाज पहुंचेगी जिम्मेदारों तक, या यह बदहाल सड़क चुनावी मुद्दा बनकर ही रहेगी

होर्डिंग पर पथराव का आरोप, वार्ड 22 में गरमाई सियासत

प्रचार को लेकर समर्थकों में नाराजगी, चुनावी माहौल हुआ तनावपूर्ण

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / नगर निगम चुनाव के बीच वार्ड 22 में प्रचार होर्डिंग को लेकर विवाद खड़ा हो गया। सेक्टर-10 में गर्ग डिपार्टमेंट के पीछे अनुराधा झा के समर्थकों की ओर से लगाए गए होर्डिंग पर

कथित पथराव से नुकसान होने का आरोप लगाया गया है। समर्थकों ने आरोप लगाया कि प्रतिद्वंद्वी पक्ष से जुड़े लोगों ने होर्डिंग पर पत्थर बरसाए। घटना को लेकर समर्थकों में नाराजगी है। उनका कहना है कि चुनावी विरोध का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से होना चाहिए, तोड़फोड़ या पथराव से नहीं। घटना के बाद वार्ड 22 की चुनावी सियासत और गर्मा गई है। समर्थकों ने स्पष्ट किया कि वे विवाद के बजाय जनता के समर्थन और लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़ेंगे।

मुख्यमंत्री के रोड शो से पहले निगम की पोल

CM के रोड शो से पहले निगम की 'सफाई' की पोल!

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के रोड शो से पहले भीलवाड़ा नगर निगम की व्यवस्थाओं की ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने चुनावी मौसम में निगम के दावों की पोल खोल दी। मुख्यमंत्री के रोड शो की तैयारियों के बीच भीमगंज थाने के बाहर एक गाड़ी सड़क के गड्ढे में फंस गई। आसपास बदहाल नाले और सफाई व्यवस्था की स्थिति ने सवाल खड़ा कर दिया कि जब मुख्यमंत्री के रोड शो वाले मार्ग की यह हालत है तो शहर की बाकी सड़कों और गलियों का क्या हाल होगा?

ष्टरूका रोड शो, फिर भी गड्ढा VIP नहीं बना!

मुख्यमंत्री का रोड शो था, प्रशासन और पुलिस का पूरा अमला सक्रिय था, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने के दावे किए जा रहे थे। लेकिन नगर निगम की नजर शायद

उस गड्ढे तक नहीं पहुंची, जिसमें गाड़ी फंस गई।

विडंबना देखिए—जिस मार्ग को मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए तैयार किया जाना था, उसी मार्ग ने निगम की तैयारियों का स्वागत गड्ढे से किया।

यह महज सड़क पर बना एक गड्ढा नहीं, बल्कि नगर निगम की मॉनिटरिंग और जिम्मेदारी पर बड़ा सवाल है।

नालों की दुर्दशा ने बढ़ाई 'शहर की बदबू'

रोड शो के दौरान शहर को चमकाने की कवायद के बावजूद नालों की हालत में खास बदलाव नजर नहीं आया। कई जगह नाले गंदगी और अव्यवस्था से जूझते दिखे। सवाल यह है कि लाखों-करोड़ों रुपये के बजट और सफाई व्यवस्था के दावों के बावजूद शहर के नाले आखिर कब साफ होंगे?

क्या निगम की सफाई व्यवस्था सिर्फ निरीक्षण और कागजी रिपोर्टों तक सीमित है?

चुनाव में वोट मांगने वालों के सामने जनता का सवाल

निकाय चुनाव में पार्षद प्रत्याशी घर-घर पहुंचकर विकास के वादे कर रहे हैं। सड़क, नाली और सफाई हर प्रत्याशी के भाषण का हिस्सा है। लेकिन मुख्यमंत्री के रोड शो से पहले सामने आई यह तस्वीर उन तमाम दावों की परीक्षा बन गई है।

जनता का सीधा सवाल है—

जब मुख्यमंत्री के रोड शो के रूट की सड़क नहीं संभली, तो पांच साल तक आम शहरवासी किन सड़कों पर चलेंगे?

जब VIP रूट के नाले बदहाल हैं, तो आम मोहल्लों की सफाई कौन करेगा?

निगम के लिए आईना है यह तस्वीरः-

नगर निगम के जिम्मेदारों के लिए यह घटना महज गाड़ी के गड्ढे में फंसने का मामला नहीं होना चाहिए। यह उस व्यवस्था का आईना है, जिसकी जिम्मेदारी शहर की सड़क, नाली और सफाई व्यवस्था संभालने की है।

मुख्यमंत्री के रोड शो ने जहां राजनीतिक माहौल गरमाया, वहीं भीमगंज थाने के बाहर फंसी गाड़ी ने निगम की कार्यशैली पर सवालों की गर्मी बढ़ा दी।

सवाल अब यह है कि निगम इस गड्ढे को भरेगा या सिर्फ अपनी सफाई देने में जुटेगा?

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरुंदनी में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

स्मार्ट हलचल

अ ाकोला / स्थानीय राजकीयउच्च माध्यमिक विद्यालय बरुंदनी में आज 5सितंबर को पूर्व राष्ट्रपति डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर 'शिक्षक दिवस' समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। ?कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री मुनेश कुमार मीणा ने की। समारोह के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री बाबूलाल जी बेरवा रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हिंदी प्राध्यापक श्री रमेश चंद्र बेरवा उपस्थित रहे। ?समारोह के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों के प्रति आदर और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए शिक्षकों का भव्य सम्मान किया। छात्रों ने शिक्षकों को स्वरचित एवं कलात्मक पोस्टर तथा विशेष 'टाइटल' (उपाधियां) भेंट कर उनका अभिनंदन किया। विद्यार्थियों की इस आत्मीय प्रस्तुति ने सभी का दिल जीत लिया। ?इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक श्री विश्वनाथ पंचोली, श्री राजेंद्र कुमार गुर्जर, श्री मदन जी धाकड़, श्री कैलाश जी जाट सहित समस्त शिक्षक साथी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि श्री बाबूलाल जी बेरवा एवं अन्य वक्ताओं ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य परंपरा का महत्त्व समझाया और जीवन में सही मार्गदर्शन के लाभ बताए। ?कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित अतिथियों एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों के इस अभिनव प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की और उन्हें उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

17 कांग्रेस प्रत्याशियों के सिंबल विवाद ने पकड़ा कानूनी रंग, हाईकोर्ट पहुंचा मामला

वार्ड 39 की अर्चना दुबे की याचिका पर सुनवाई, 7 सितंबर को अगली तारीख, 53 सिंबल स्वीकार, 17 पर अटका पेंच

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा /। नगर निगम चुनाव में कांग्रेस के 17 अधिकृत प्रत्याशियों के चुनाव चिह्न स्वीकार नहीं कि ए जाने का विवाद अब राजस्थान हाईक ोर्ट, जोधपुर पहुंच गया है। वार्ड 39 से का ंग्रेस प्रत्याशी के रूप में दावेदारी जता टिक ट मांगने वाली प्रत्याशी अर्चना दुबे ने राज्य निर्वाचन आयोग व अन्य के खिलाफ याचिका दायर कर पूरे घटनाक्र म को चुनौती दी है। याचिका पर न्यायमूर्ति मुकेश राजपुरोहित कीएक लपीठ में सुनवाई हुई। अदालत ने मामले में प्रतिवादी पक्ष से जवाब और आवश्यक निर्देश लेने को कहा है। अब मामले की अगली सुनवाई 7 सितंबर को होगी। याचिकाकर्ता अर्चना दुबे की ओर से अदालत में तर्क दिया गया कि कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के चुनाव चिह्न निर्धारित समय-सीमा के भीतर रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) के समक्ष प्रस्तुत किए गए थे। उनका दावा है कि दोपहर 3 बजे

की तय समय-सीमा समाप्त होने से पहले ही पार्टी के अधिकृत प्रतिनिधि सिंबल लेकर आरओ के पास पहुंच गए थे, लेकिन इसके बावजूद 17 प्रत्याशियों के सिंबल स्वीकार नहीं किए गए। वहीं, निर्वाचन अधिकारियों की ओर से यह तर्क सामने आया कि सिंबल प्रस्तुत करने की निर्धारित समय-सीमा समाप्त हो चुकी थी। सिंबल समय पर स्वीकार नहीं होने के कारण कांग्रेस के 17 अधिकृत प्रत्याशी चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो गए। इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस संगठन में हलचल मच गई और पूरी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठने लगे।

53 सिंबल स्वीकार, 17 पर क्यों लगा ब्रेक?

इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी से दावेदारी कर टिकट मांगने वाली प्रत्याशी अर्चना दुबे और वार्ड 44 से कांग्रेस के सिंबल पर टिकट मांगने वाले प्रत्याशी जितेंद्र दरियानी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रशासन और रिटर्निंग ऑफिसर की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेताओं ने नगर निगम के सभी 70 वार्डों के सिंबल 31 अगस्त को दोपहर 3 बजे से पहले आरओ के समक्ष प्रस्तुत किए थे, लेकिन इनमें से केवल 53 सिंबल स्वीकार किए गए और 17 सिंबल यह कहते हुए स्वीकार नहीं किए गए कि समय समाप्त हो चुका है। दुबे ने सवाल उठाया कि यदि 53 सिंबल स्वीकार किए गए तो बाकी 17 सिंबल के मामले में अलग स्थिति क्यों बनी? उन्होंने कहा कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या आरओ पर किसी तरह का राजनीतिक दबाव था या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी?

पीसीसी करा रही जांच, जरूरत पड़ी तो राष्ट्रीय नेतृत्व तक जाएंगे

अर्चना दुबे ने कहा कि इस पूरे मामले की पीसीसी स्तर पर जांच कराई जा रही है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और उम्मीद है कि हाईकोर्ट से न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो वे अपनी बात कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और सोनिया गांधी तक भी पहुंचाएंगी। दुबे ने कहा कि यह केवल उनके चुनाव लड़ने का सवाल नहीं है, बल्कि 17 प्रत्याशियों के साथ हुई पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक अधिकारों का मामला है। अब इस पूरे विवाद में 7 सितंबर की हाईकोर्ट सुनवाई पर कांग्रेस और राजनीतिक गलियारों की निगाहें टिकी हैं।

पुलक मंच गठित, पाटनी अध्यक्ष और बाकलीवाल मंत्री

आज आचार्य पुलकसागर के सानिध्य में शपथ ग्रहण

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) आचार्य पुलकसागर महाराज के आशीर्वाद से भीलवाड़ा पुलक मंच का गठन किया गया। अतुल पाटनी अध्यक्ष, प्रतीक शाह संयोजक, संदीप बाकलीवाल मंत्री, अक्षय टोंग्या महामंत्री और आदिश चौधरी उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए। मंच से 25 दंपति भी जुड़े हैं। नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण रविवार शाम सूर्यमहल में आचार्य पुलकसागर महाराज के सानिध्य में होगा। मंच द्वारा जिनशासन, मानव सेवा, जीवदया और समाजहित के कार्यों के साथ जल्द राष्ट्रीय अधिवेशन कराने की तैयारी की जाएगी।

आचार्य पुलकसागर का संदेश

तीर्थंकरों को जाने बिना नहीं मिटेगा मिथ्यात्व और भटकाव आचार्य पुलकसागर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) राष्ट्र संत आचार्य पुलकसागर महाराज ने कहा कि जैन कुल में जन्म लेना पर्याप्त नहीं, तीर्थंकरों के जीवन और सिद्धांतों को जानना जरूरी है। जब तक उनके प्रति दृढ़ श्रद्धा नहीं होगी, मन का संशय, मिथ्यात्व और भटकाव खत्म नहीं होगा। शास्त्रीनगर के सूर्यमहल में चातुर्मासिक

प्रवचन में उन्होंने कहा, 'जो स्वाध्याय नहीं करता, उसे कोई भी मूर्ख बना सकता है।' पूजा-पाठ के बावजूद मन में फल मिलेगा या नहीं, ऐसा संशय बना रहना मिथ्यात्व का संकेत है। स्वाध्याय ही श्रद्धा को मजबूत करता है। आचार्यश्री ने कहा कि शरीर दृश्य है, आत्मा अनुभूति का विषय है और सिद्ध भगवान श्रद्धा का विषय हैं। इन तीनों के वास्तविक स्वरूप को समझना ही सम्यक दृष्टि की ओर कदम है। चातुर्मास समिति अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने बताया कि 16 से 25 सितंबर तक पर्युषण (दशलक्षण पर्व) के साथ दस दिवसीय 'पाप नाशनम' शिविर सूर्यमहल में होगा। प्रतिदिन सुबह 8.30 से 10 बजे तक प्रवचन और शाम 7 से 8 बजे तक आनंद यात्रा व आरती हो रही है।

फर्जी रजिस्ट्री गिरोह का गुलाबपुरा पुलिस ने किया भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

40 साल पहले मृत व्यक्ति बनकर कराई गई थी जमीन की फर्जी रजिस्ट्री, फर्जी आधार कार्ड और फोटो का इस्तेमाल करने का पुलिस का दावा

स्मार्ट हलचल

गुलाबपुरा। गुलाबपुरा थाना पुलिस ने फर्जी रजिस्ट्री गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने करीब 40 वर्ष पहले मृत हो चुके व्यक्ति की पहचान का कथित रूप से फर्जी इस्तेमाल कर जमीन की रजिस्ट्री करवाने में भूमिका निभाई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जमनालाल रेगर और पुरण बैरवा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा सागर राणा के आदेश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा अंजुम कायल के निर्देशन, गुलाबपुरा वृताधिकारी सतीश कुमार मीणा के सुपरविजन तथा थानाधिकारी संजय कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने की।

गुजरात निवासी परिवादी ने दर्ज कराया था मामला

पुलिस के मुताबिक गुजरात के आणंद जिले के निवासी 71 वर्षीय चन्द्रकांत पटेल ने गुलाबपुरा थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उनके दादाजी देसाई भाई पुत्र फुलभाई उर्फ फुलाभाई के नाम रूपाहेली क्षेत्र में राजस्व रिकॉर्ड में 3.5370 हेक्टेयर भूमि दर्ज है। परिवादी के अनुसार उनके दादाजी की मृत्यु 6 दिसंबर 1984 को हो चुकी थी, इसके बावजूद किसी व्यक्ति द्वारा उनके दादाजी देसाई भाई बनकर जमीन की रजिस्ट्री करवा दी गई। रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकरण संख्या 294/2025 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अनुसंधान शुरू किया।

तहसील और पंचायत रिकॉर्ड खंगाले, गुजरात पहुंची पुलिस टीम

पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र के साथ तहसील कार्यालय हुरड़ा से आवश्यक रिकॉर्ड जुटाया। इसके बाद टीम गुजरात पहुंची और परिवादी एवं पड़ोसियों से पूछताछ की। ग्राम पंचायत तथा पटवारी से भी संबंधित रिकॉर्ड प्राप्त कर जांच को आगे बढ़ाया गया। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान कथित फर्जी रजिस्ट्री गिरोह से जुड़े जमनालाल रेगर और पुरण बैरवा को गिरफ्तार किया गया। दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद तीन दिन का पुलिस कस्टडी रिमांड प्राप्त किया गया है।

फर्जी आधार कार्ड बनाकर रजिस्ट्री कराने का आरोप

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी पुरण बैरवा ने बताया कि बडलिया निवासी नारायण लाल श्रीमाली को फर्जी तौर पर देसाई भाई के रूप में प्रस्तुत किया गया था। वहीं गिरोह के दूसरे सदस्य जमनालाल ने मोबाइल एप के माध्यम से मांगीलाल नामक व्यक्ति का फोटो लगाकर देसाई भाई के नाम से कथित फर्जी आधार कार्ड तैयार किया। पुलिस का दावा है कि इसी पहचान का इस्तेमाल कर फर्जी रजिस्ट्री करवाई गई और सीताराम के नाम जमीन की रजिस्ट्री कराने की प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर रही है और गिरोह में शामिल अन्य लोगों तथा फर्जी दस्तावेज तैयार करने से जुड़े पहलुओं की जांच की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी

1. जमनालाल पुत्र मगना, जाति रेगर, निवासी केशवपुरा, थाना मांडल, जिला भीलवाड़ा।
2. पुरण पुत्र मोहन, जाति बैरवा, निवासी देवखेड़ी, थाना सदर, जिला भीलवाड़ा।

पुलिस के अनुसार मामले में अनुसंधान जारी है और पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निकाय चुनाव के रण में CM भजनलाल का 'ट्रिपल इंजन' मंत्र, भाजपा को जीत का टारगेट

निकाय चुनाव में भाजपा का 'ट्रिपल इंजन' दांव,

भीलवाड़ा में सीएम भजनलाल ने कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा, / नगरीय निकाय चुनाव के रण में अब मुकाबला अंतिम दौर में पहुंच चुका है। मतदान से महज कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीलवाड़ा पहुंचकर भाजपा संगठन को चुनावी जीत का मंत्र दिया और साफ संदेश दिया कि

अब डबल इंजन की सरकार को निकाय चुनाव के जरिए 'ट्रिपल इंजन' में बदलना है। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने तथा जिले की नगर निगम सहित सभी 10 नगर पालिकाओं में भाजपा की जीत के लिए पूरी ताकत झोंकने का आह्वान किया। भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों की संगठनात्मक बैठक में मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल चुनाव लड़ने के लिए नहीं, बल्कि विचार और संस्कार लेकर संगठन से जुड़ता है। राष्ट्र प्रथम की भावना से विपरीत परिस्थितियों में भी निस्वार्थ भाव से संगठन के लिए काम करना ही भाजपा कार्यकर्ता की पहचान है।

'अब डबल इंजन को ट्रिपल इंजन में बदलने की बारी'

मुख्यमंत्री ने निकाय चुनाव को सीधे सरकार के कामकाज और स्थानीय सत्ता से जोड़ते हुए कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने और वर्ष 2023 में राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद देश और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। अब निकाय चुनाव के माध्यम से इसे ट्रिपल इंजन की सरकार में बदलने की बारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं तथा विकास कार्यों को जनता के बीच लेकर जाएं। मुख्यमंत्री का यह बयान निकाय चुनाव में भाजपा के लिए स्पष्ट राजनीतिक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा हैक्यानी स्थानीय निकायों में भी भाजपा को सत्ता दिलाकर विकास के लिए केंद्र, राज्य और निकाय के बीच बेहतर समन्वय का मुद्दा मतदाताओं के सामने रखना।

कार्यकर्ताओं को चेताया- ऐसा कोई काम न हो जिससे संगठन पर सवाल उठे

बैठक में मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक अनुशासन का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पर किसी तरह का प्रश्नचिह्न नहीं लगने देना चाहिए। एक कार्यकर्ता का निर्माण बड़ी मुश्किल से होता है। उन्होंने कहा कि संगठन की नजर प्रत्येक कार्यकर्ता के काम पर है और सभी के कार्य का मूल्यांकन किया जा रहा है। पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता को भविष्य में कहीं न कहीं अवसर जरूर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी हित में काम करने और निकाय चुनाव में पूरी ताकत लगाने का आह्वान किया। राजनीतिक तौर पर मुख्यमंत्री का यह संदेश टिकट वितरण और चुनावी मैदान में सक्रिय कार्यकर्ताओं के बीच अनुशासन बनाए रखने तथा बागी तेवरों को नियंत्रित करने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है।

कांग्रेस पर निशाना, बोले- घोषणाओं से जनता को गुमराह करती रही

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस शुरू से ही घोषणाएं कर जनता को गुमराह करती आई है, जबकि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचाएं। निकाय चुनाव के अंतिम चरण में मुख्यमंत्री का कांग्रेस पर यह सीधा हमला भाजपा के प्रचार अभियान को स्थानीय मुद्दों से निकालकर भाजपा सरकारों के विकास मॉडल और कांग्रेस के शासन की तुलना की ओर ले जाने की रणनीति का संकेत माना जा रहा है।

जल परियोजनाओं को बनाया चुनावी मुद्दा

मुख्यमंत्री ने राजस्थान में जल क्षेत्र में हुए कार्यों को भी प्रमुखता से गिनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में जल के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। ईआरसीपी, यमुना जल समझौता और ब्राह्मणी नदी योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल के क्षेत्र में बड़े बदलाव की दिशा में काम हुआ है। उन्होंने वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान को मिले जनसमर्थन का भी उल्लेख किया और कहा कि ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां ऐतिहासिक कार्य नहीं हुए हों।

भीलवाड़ा के लिए 7 हजार करोड़ के विकास कार्यों का दावा

मुख्यमंत्री ने भीलवाड़ा जिले के विकास कार्यों को भी चुनावी प्रचार का हिस्सा बनाया। उन्होंने कहा कि जिले के सातों विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों के लिए सरकार से जितना मांगा, उससे ज्यादा देने का प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री के अनुसार पिछले ढाई साल में भीलवाड़ा जिले में करीब 7 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्य किए जा चुके हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन विकास कार्यों को जनता के बीच ले जाने का आह्वान किया।

जिलाध्यक्ष ने कहा- विधानसभा और लोकसभा की तरह निकायों में भी जीत

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने मुख्यमंत्री सहित सभी अतिथियों और पदाधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने जिला संगठन की गतिविधियों और प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विश्वास जताया कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों की तरह निकाय चुनाव में भी भाजपा भीलवाड़ा जिले में कांग्रेस को शिकस्त देगी। सांसद दामोदर अग्रवाल ने मुख्यमंत्री सहित सभी अतिथियों का आभार जताया और कार्यकर्ताओं से निकाय चुनाव में जीत के लिए पूरी ताकत के साथ जुटने का आह्वान किया। बैठक में प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल, संभाग चुनाव सह प्रभारी लालचंद कटारिया, जिला संगठन प्रभारी संजय जैन, सह प्रभारी मिट्ठूलाल जाट, नगर निगम प्रभारी वीरम देव सिंह, विधायक अशोक कोठारी, गोपीचंद मीणा, उदयलाल भड़ाना, लालाराम बैरवा, गोपाल खंडेलवाल, जब्बरसिंह सांखला, लादूलाल पीतलिया, पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया और पूर्व विधायक विट्ठलशंकर अवस्थी सहित भाजपा के प्रमुख नेता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

अब अंतिम चार दिन में बूथ तक पहुंचेगा 'ट्रिपल इंजन' का संदेश

मुख्यमंत्री के दौरे ने निकाय चुनाव के अंतिम चरण में भाजपा संगठन को नई ऊर्जा देने का काम किया है। अब पार्टी का फोकस प्रत्याशी से ज्यादा संगठन, बूथ प्रबंधन और सरकार की उपलब्धियों को मतदाता तक पहुंचाने पर दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं को जिस तरह 'डबल इंजन से ट्रिपल इंजन' का नारा दिया है, वह आने वाले दिनों में भाजपा के चुनाव प्रचार का प्रमुख राजनीतिक संदेश बन सकता है। अब असली परीक्षा मतदान के दिन होगी कि मुख्यमंत्री का यह चुनावी मंत्र और भाजपा का ट्रिपल इंजन का नैरेटिव भीलवाड़ा के मतदाताओं को कितना प्रभावित करता है।

बच्चो ने फोड़ी मटकी, श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव हर्ष के साथ मनाया

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा।चित्तौड़गढ़ उपनगरी क्षेत्र सेन्थी के अरिहंत विहार नवकार नगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम संयोजक गोपाल जटिया ने बताया कि इस अवसर पर कॉलोनी के नन्हे मुन्ने बच्चो ने मटकी फोड़ी जिसके बाद श्रीकृष्ण ओर सांवरिया सेठ के जयकारों से कॉलोनी गूंज उठी। जिसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान रबिन्द्र प्रधान, लक्ष्मण मेघवाल, विशाल पारिख, ओम जैन शंभूपुरा, रणजीत आचार्य सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बच्चे मौजूद रहे।

श्री केसरिया जी जैन गुरुकुल में शिक्षक दिवस मनाया, शिष्यों ने गुरु का किया सम्मान

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। श्री केसरिया जी जैन गुरुकुल परिसर में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन तथा नमस्कार महामंत्र के साथ किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के हेड बॉय एवं हेड गर्ल द्वारा संस्थान अध्यक्ष राजेश विरानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉक्टर ए.एल.जैन, सचिव के.एम.जैन, प्रधानाचार्या हेमा शर्मा, वरिष्ठ प्राध्यापक रोशन लाल चोपड़ा, कुसुम सेठ व रीता लोढ़ा का स्वागत अभिनन्दन किया गया

है। संस्थान अध्यक्ष द्वारा प्रेरणा स्वर प्रदान किए गए। विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं द्वारा समस्त शिक्षकों का सम्मान किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ ए.एल.जैन द्वारा शिक्षक का जीवन में महत्व तथा डॉक्टर राधाकृष्णन सर्वपल्ली से जुड़े प्रेरक प्रसंग का बखान किया गया। शिक्षकों के सम्मान में छात्राओं द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। साथ ही विद्यालय के अध्यापक मुकेश व्यास, सिद्धार्थ मेहता तथा अध्यापिका नीलम सोनी, अनीता शर्मा द्वारा गीत प्रस्तुति दी गई। संस्थान सचिव द्वारा शिक्षकों का महत्व बताकर बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अपने भाव व्यक्त किये गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन कर शिक्षकों का मनोरंजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानाचार्या द्वारा बच्चों को अनुशासन एवं समय प्रबंधन का संदेश दिया गया। प्रबंधन टीम द्वारा श्रीफल व उपहार प्रदान कर विद्यालय के समस्त स्टाफ को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत अध्यापक-अध्यापिकाओं ममता चौहान, रोशनलाल चोपड़ा, रंजना सारस्वत व पूजा मजूमदार को विशिष्ट उपलब्धि हेतु सम्मानित किया गया।

पोटलां में कृष्ण जन्माष्टमी की धूम

सत्यनारायण भगवान मंदिर प्रांगण में क्रेन पर सजी मटकी, वॉलीबॉल टीम ग्रुप बनी विजेता

स्मार्ट हलचल

पोटलां। कस्बे में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार अगाध श्रद्धा, उल्लास और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ धूमधाम से मनाया गया। मध्यरात्रि को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के साथ ही पूरा क्षेत्र नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर कस्बे के प्रमुख मंदिरों में मनमोहक झांकियां सजाई गईं तथा मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में कस्बे में तीन प्रमुख स्थानों—सत्यनारायण भगवान मंदिर प्रांगण, माली मोहल्ला एवं नई नगरी—में मटकी फोड़ कार्यक्रम आयोजित किए गए। मटकी फोड़ का सबसे बड़ा और मुख्य आयोजन सत्यनारायण भगवान मंदिर के सामने स्थित बालाजी मंदिर प्रांगण में संपन्न हुआ। यहाँ आयोजकों द्वारा एक विशाल क्रेन के माध्यम से मटकी को आकर्षक रूप से सजाकर काफी ऊंचाई पर लटकाया गया था। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में कुल 5 युवाओं के ग्रुपों (टीमों) ने भाग लिया और मटकी तक पहुँचने के लिए एक से बढ़कर एक पिरामिड बनाए। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद अंततः वॉलीबॉल टीम ग्रुप ने सफलता प्राप्त करते हुए मटकी फोड़कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। आयोजन समिति की ओर से विजेता टीम को नकद राशि भेंट कर सम्मानित किया गया। जन्माष्टमी पर कस्बे के सभी प्रमुख देवालयों को विद्युत सज्जा, पुष्प मालाओं और झंडियों से भव्य रूप से सजाया गया था। जिन प्रमुख मंदिरों में विशेष साज-सज्जा एवं अलौकिक श्रृंगार किया जिसमें एक दर्जन मंदिर सांवलिया जी मंदिर,चारभुजा नाथ बड़ा मंदिर,सत्यनारायण भगवान मंदिर,लक्ष्मी नारायण मंदिर,नरसिंह द्वारा मंदिर,चंवरा चारभुजा नाथ का मंदिर,नाई मोहल्ला चारभुजा नाथ मंदिर, मुरलीधर अस्थल मंदिर इसके अलावा भी कस्बे के एक दर्जन से अधिक मंदिरों में ठाकुर जी का आकर्षक श्रृंगार कर दर्शनार्थियों के लिए पट खोले गए, जहाँ दर्शन के लिए दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। रात 12 बजते ही गगनभेदी जयकारों, शंखध्वनि और घड़ियालों की गूंज के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। इसके पश्चात सभी मंदिरों में एक साथ महाआरती का आयोजन हुआ। जन्मोत्सव के उपरांत भगवान को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों एवं फलों का भोग समर्पित किया गया। फल-फ्रूट,ताजा मक्खन एवं मिश्री, धनिया, पंजीरी, पंचामृत, स्वादिष्ट खीर एवं मालपुआ का भोग लगाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। देर रात तक भक्तजन भजनों की धुन पर झूमते रहे और संपूर्ण कस्बे में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

उदयपुर की 10 वर्षीय मायर्रा त्यागी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया देश का गौरव

एशियन आइस स्केटिंग प्रतियोगिता में 14 देशों के खिलाड़ियों के बीच दिखाया हुनर, CBSE वेस्ट जोन में दो स्वर्ण पदक जीतकर रचा सफलता का नया अध्याय

स्मार्ट हलचल

उदयपुर। उम्र महज 10 वर्ष, लेकिन हौसला और प्रतिभा ऐसी कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का नाम रोशन कर रही है उदयपुर की नन्ही खिलाड़ी मायर्रा त्यागी। स्केटिंग के क्षेत्र में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही मायर्रा ने अपनी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण से कम उम्र में ही उल्लेखनीय पहचान बनाई है। मायर्रा ने एशियन आइस स्केटिंग प्रतियोगिता में 14 देशों के प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में विभिन्न देशों के खिलाड़ियों के बीच उतरना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। मायर्रा ने आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया और देश का गौरव बढ़ाया। इससे पहले एसआरएन इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर में आयोजित सीबीएसई वेस्ट जोन रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में भी मायर्रा ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की दो प्रमुख स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उन्होंने दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। उनकी इस उपलब्धि ने परिवार के साथ-साथ विद्यालय और उनके प्रशिक्षकों को भी गौरवान्वित किया है।

कम उम्र में बड़ा मुकाम

मायर्रा की सफलता सिर्फ पदकों तक सीमित नहीं है। इतनी कम उम्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उन्होंने यह साबित किया है कि प्रतिभा को यदि सही दिशा, निरंतर अभ्यास और परिवार व प्रशिक्षकों का सहयोग मिले तो उम्र सफलता के रास्ते में बाधा नहीं बनती। मायर्रा के खेल प्रदर्शन में उनकी कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास, अनुशासन और आत्मविश्वास साफ दिखाई देता है। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा का अनुभव उनके खेल करियर के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

परिवार और विद्यालय में खुशी का माहौल

मायर्रा की उपलब्धियों से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय और प्रशिक्षकों ने भी उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की शुभकामनाएं दीं। उदयपुर की इस नन्ही बेटी की उपलब्धि शहर के लिए भी गर्व का विषय है। मायर्रा की कहानी उन तमाम बच्चों के लिए प्रेरणा है, जो खेलों में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। यदि इसी तरह उनका अभ्यास और प्रदर्शन जारी रहा तो आने वाले वर्षों में मायर्रा देश के लिए बड़े मंचों पर पदक जीतने वाली खिलाड़ियों की कतार में अपना स्थान बना सकती हैं।

चार साल से लापता बालिका पुणे से दस्तयाब

मोबाइल कॉल डिटेल और सोशल मीडिया के जरिए पुलिस ने लगाया सुराग

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। पुलिस थाना बदनोर में दर्ज प्रकरण में करीब चार साल से लापता नाबालिग बालिका को पुलिस ने महाराष्ट्र के पुणे से दस्तयाब कर लिया। जिला पुलिस अधीक्षक व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्यावर के निर्देशन तथा वृत्ताधिकारी मसूदा के सुपरविजन में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार 1 मार्च 2023 को बालिका के बिना बताए घर से चले जाने पर प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की गई थी। अनुसंधान में सामने आया कि बालिका कक्षा 12वीं में अध्ययनरत थी और आगे पढ़ाई जारी रखना चाहती थी। परिजन उसकी शादी करना चाहते थे। इसी बात को लेकर विवाद के बाद वह घर से निकलकर पुणे चली गई और वहां परिचित की मदद से अस्पताल में काम करने लगी। बालिका ने घर से निकलते समय मोबाइल नंबर बंद कर लिए थे। पुलिस ने उसके पुराने मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल का विश्लेषण करने के साथ सोशल मीडिया प्लेटफार्म और तकनीकी संसाधनों की मदद से लगातार तलाश की। अथक प्रयासों के बाद पुलिस ने बालिका को पुणे से दस्तयाब कर लिया। प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

अवैध बजरी खनन-परिवहन गिरोह से जुड़े 3 और आरोपी गिरफ्तार, पूर्व में 6 हो चुके हैं गिरफ्तार

सुवाणा-कोटा बाईपास पर गुटबाजी में दो पक्ष भिड़े थे आमने-सामने, हथियारों से लैस होकर वाहनों को टक्कर मारने का पुलिस का आरोप

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । अवैध बजरी खनन एवं परिवहन से जुड़े दो पक्षों के बीच आपसी रंजिश और गुटबाजी को लेकर हुए आपराधिक हमले के मामले में सदर थाना पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मामले में पूर्व में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है। ताजा कार्रवाई में पंकज जाट, राहुल शर्मा और महेश सुथार को गिरफ्तार किया गया है। तीनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 7 सितंबर 2026 तक पुलिस कस्टडी रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में गुटबाजी, संगठित गिरोह एवं आपसी रंजिश से जुड़ी घटनाओं की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय भीलवाड़ा राजेश आर्य एवं पुलिस उपाधीक्षक सदर अंजली सिंह के निकटतम सुपरविजन में की गई।

दो पक्षों में आमने-सामने हुई थी भिड़ंत

पुलिस के मुताबिक 19 अगस्त 2026 को सुवाणा-कोटा बाईपास स्थित अमित जाट सरपंच सुवाणा के फार्म हाउस के सामने अवैध बजरी खनन एवं परिवहन में संलिप्त दो पक्षों के बीच आपसी रंजिश और गुटबाजी को लेकर विवाद हुआ था। घटना के दौरान दो स्कॉर्पियो और एक बोलेरो कैंपर वाहन मौके पर मिले थे। पुलिस के अनुसार एक स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिली, जबकि बोलेरो कैंपर कीचड़ में धंसी हुई थी और एक अन्य स्कॉर्पियो भी क्षतिग्रस्त मिली। वाहनों की तलाशी लेने पर मारपीट में इस्तेमाल किए जाने वाले लोहे का बेसबॉल डंडा, लकड़ी का बेसबॉल डंडा, चाकू, लोहे के पाइप और लोहे की रॉड बरामद हुई।

जान से मारने की नीयत से वाहनों को टक्कर मारने का आरोप

पुलिस का आरोप है कि दोनों पक्षों के लोग हथियारों से लैस थे और आपसी रंजिश के चलते एक-दूसरे को जान से मारने की नीयत से वाहनों को आमने-सामने टकराया गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। मामले में थाना सदर भीलवाड़ा पर प्रकरण संख्या 165/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में अनुसंधान शुरू किया गया। पुलिस ने मौके से मिले वाहनों और हथियारों को जब्त कर आरोपियों की तलाश शुरू की।

अब तक 9 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार मामले में पूर्व में सुनिल पुत्र घनश्याम चौधरी, राधेश्याम पुत्र हीरालाल जाट और नारायण लाल उर्फ मामा पुत्र देवबक्ष जाट सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके बाद पंकज जाट, राहुल शर्मा और महेश सुथार की गिरफ्तारी की गई। इस तरह पुलिस कार्रवाई में अब तक कुल नौ आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी दी गई है।

गिरफ्तार आरोपी

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में राहुल पुत्र मोतीलाल शर्मा (30), निवासी पथिक नगर, थाना सुभाषनगर, हाल देवछाया, थाना सदर भीलवाड़ा; पंकज पुत्र भंवर चौधरी (23), निवासी नई ईंरास, थाना सदर भीलवाड़ा तथा महेश पुत्र लादूलाल सुथार (19), निवासी नई ईंरास, थाना सदर भीलवाड़ा शामिल हैं।

पुलिस मामले में आरोपियों से पूछताछ कर रही है और घटना में शामिल अन्य पहलुओं की जांच जारी है।

ट्रक-ट्रेलरों से डीजल-बैटरी चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

30 लीटर डीजल व स्टार्टर बैटरी बरामद, सोलर प्लेट चोरी समेत अन्य वारदातों से भी जुड़े तार

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। आनंदपुर कालू थाना क्षेत्र में अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के पास होटल पार्किंग में खड़े ट्रक-ट्रेलरों से डीजल व बैटरी चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर 30 लीटर चोरी का डीजल और एक स्टार्टर बैटरी बरामद की है। पुलिस के अनुसार 28 अगस्त की मध्यरात्रि पार्किंग में खड़े ट्रक-ट्रेलरों से बैटरी व डीजल चोरी होने की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया था। जिला पुलिस अधीक्षक रतनसिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुकृति उज्जैनिया के निर्देशन तथा जैतारण वृत्ताधिकारी रमेन्द्रसिंह हाड़ा के सुपरविजन में थानाधिकारी गणपतराम के नेतृत्व में टीम गठित कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने संदिग्धों से पूछताछ के बाद चन्द्राराम (40) निवासी टुंकड़ा और देवाराम (30) निवासी टुंकड़ा को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान दोनों की वारदात में संलिप्तता सामने आई। उनकी निशानदेही पर चोरी का डीजल और स्टार्टर बैटरी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में प्रकरण संख्या 101/2026 में सोलर प्लेट चोरी सहित अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में भी जानकारी मिली है। पुलिस अब इन वारदातों में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश और शेष चोरी के माल की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

80 वें जन्मदिवस पर रक्तदान की मिसाल, 238 से अधिक यूनिट रक्त संग्रहित

विशाल रक्तदान शिविर में युवाओं, समाजसेवियों और सामाजिक संस्थाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

स्मार्ट हलचल

कोटा। जन्मदिवस को समाजसेवा के संकल्प से जोड़ते हुए होटल रेजेंटा ब्लू के निदेशक विशाल वर्मा एवं अमेरिका स्थित 'ह्याष्ठ्ठ्यद्वह्ह के वाइस प्रेसिडेंट रविन्द्र वर्मा के पूज्य पिताजी बंशी लाल वर्मा के 80वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। होटल रेजेंटा ब्लू, 103 ट्रांसपोर्ट नगर विस्तार में आयोजित शिविर में शाम 5 बजे तक 238 यूनिट से अधिक रक्त संग्रहित किया गया। शिविर में युवाओं, समाजसेवियों, गणमान्य नागरिकों और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। रक्तदाताओं में रक्तदान को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजक परिवार की ओर से शिविर को लेकर पिछले कई दिनों से तैयारियां की जा रही थीं। रक्तदाताओं की सुविधा और सुरक्षित रक्त संग्रहण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं तथा चिकित्सा टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

जन्मदिवस को जनसेवा से जोड़ा

आयोजक विशाल वर्मा ने कहा कि परिवार ने बंशी लाल वर्मा के 80वें जन्मदिवस को केवल उत्सव के रूप में मनाने के बजाय इसे जनसेवा से जोड़ने का निर्णय लिया। रक्तदान एक पुनीत कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद को जीवनदान मिल सकता है। उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से 'एक बूंद रक्त–अनेक जिंदगियां' और 'रक्तदान करें, जीवन बचाएं' का संदेश समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। रक्त की जरूरत किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान की भावना को समाज में मजबूत करना बेहद जरूरी है।

रक्तदाताओं और सहयोगियों का जताया आभार

आयोजक परिवार ने शिविर की सफलता पर सभी रक्तदाताओं, चिकित्सा टीम, सामाजिक संस्थाओं, सहयोगियों तथा आयोजन में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक रक्तदाता का छोटा-सा प्रयास किसी जरूरतमंद परिवार के लिए बड़ी उम्मीद बन सकता है।

गुरु का मान, मतदान का सम्मान थीम पर निकाली मतदाता जागरूकता रैली

शिक्षक सम्मान के साथ दिया मतदान का संदेश, निकाय चुनाव में मतदान का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर/मसूदा। शिक्षक दिवस के अवसर पर स्वीप गतिविधियों के तहत शनिवार को 'गुरु का मान, मतदान का सम्मान' थीम पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीएम) मसूदा श्रीमती दीपशिखा कालवी, स्वीप प्रभारी सुश्री हेमलता शर्मा एवं स्वीप प्रकोष्ठ समन्वयक आसिफ पठान के निर्देशन में राजकीय महाविद्यालय एवं राजकीय आईटीआई मसूदा में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान शिक्षकों का सम्मान किया गया तथा विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को मतदान के महत्व की जानकारी देते हुए आगामी निकाय चुनाव में अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए निर्भीक एवं निष्पक्ष मतदान करने का संदेश दिया गया। साथ ही उपस्थितजनों ने आगामी निकाय चुनाव में मतदान करने का संकल्प लिया।

वार्ड 55 में जनसंपर्क नहीं, जन-आशीर्वाद का सफर: डॉ. संजय बड़ोदिया को मिला अपार स्नेह

स्मार्ट हलचल

सांगानेर/भरत देवड़वाल। जयपुर नगर निगम चुनाव-2026 में वार्ड नंबर 55 से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. संजय बड़ोदिया का जनसंपर्क अभियान जन-आशीर्वाद यात्रा में बदलता नजर आ रहा है। शनिवार को दोपहर 3 बजे से शाम 8 बजे तक वार्ड 55 के सेक्टर-5, सेक्टर-3 और श्रीराम कॉलोनी में डॉ. बड़ोदिया ने सघन जनसंपर्क किया। आम सूचना के अनुसार आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों ने आत्मीय मुलाकात कर उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया। डॉ. बड़ोदिया ने कहा, 'जनसंपर्क नहीं, ये जन-आशीर्वाद का सफ़र है। हर घर से मिले स्नेह, विश्वास और मान-सम्मान ने मन को अभिभूत कर दिया। आपका यह प्यार और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।' उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य वार्ड 55 को आदर्श वार्ड बनाना है - 'मेरा वार्ड, मेरा परिवार, हम सब साथ' और 'हाथ बदलेगा हालात' के संकल्प के साथ वे विकास कार्य करेंगे। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने अपनी समस्याएं भी बताईं और डॉ. बड़ोदिया को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। जनसंपर्क में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

गुरु के सम्मान में झुके शीश, विद्यालय प्रबंधन की दो पीढ़ियों को पढ़ाने वाले शिक्षकों का भावपूर्ण अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

महवा। द बोहराज ग्लोबल स्कूल में शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में विद्यालय की गुरु-शिष्य परंपरा का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। विद्यालय द्वारा शिक्षकों रघुवर सिंह , राजेंद्र मिश्रा, श्री भगवत शर्मा जी एवं श्री प्रभु दयाल जी का विद्यालय परिवार की ओर से भावपूर्ण सम्मान किया गया। विशेष बात यह रही कि सम्मानित चारों शिक्षक विद्यालय निदेशक के पिताजी के साथ-साथ उनके पुत्रों वर्तमान निदेशक एवं सह-निदेशक के भी शिक्षक रहे हैं। इन शिक्षकों ने विद्यालय प्रबंधन की दो पीढ़ियों को शिक्षा एवं मार्गदर्शन प्रदान किया और दोनों पीढ़ियों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिक्षक दिवस पर गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विद्यालय के निदेशक एवं सह-निदेशक ने स्वयं उनके चरण पूजन वंदन अभिषेक कर, माला पहनाकर एवं तिलक लगाकर उनका सम्मान किया। इस भावपूर्ण अवसर पर विद्यालय परिवार ने सेवानिवृत्त शिक्षकों के शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान, समर्पण एवं सेवाओं को याद किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि शिक्षक का स्थान जीवन में सदैव सर्वोच्च रहता है। समय बदलने और विद्यार्थी के आगे बढ़ जाने के बावजूद गुरु का मार्गदर्शन और उनके संस्कार जीवनभर साथ रहते हैं। समारोह में हाल ही में विद्यालय द्वारा आयोजित सीबीएससी क्लस्टर के सफल आयोजन की भी चर्चा हुई। विद्यालय प्रशासन, निदेशक एवं आयोजन टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई दी गई। वक्ताओं ने कहा कि महवा जैसे क्षेत्र में इतने बड़े स्तर पर सीबीएसई क्लस्टर का सफल आयोजन विद्यालय की कार्यक्षमता, बेहतर नेतृत्व एवं निरंतर प्रयासों का परिणाम है। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल के विद्यालय आगमन को भी क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि विद्यालय के निरंतर प्रयासों के कारण महवा जैसे क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक एवं खेल गतिविधियों को मंच मिल रहा है। राज्यपाल का विद्यालय आगमन विद्यालय के प्रयासों के साथ-साथ पूरे क्षेत्र के लिए सम्मान और गौरव का विषय है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा शिक्षा एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को नमन किया। समारोह में विद्यालय निदेशक विनय बोहरा, सह निदेशक विकास बोहरा, प्रधानाचार्य प्रवीन विज, राजेश, पुनीत, उप प्रधानाचार्य श्वेता राणा नेगी, समस्त शिक्षकगण एवं समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

फेसबुक हैंग होने पर घबराएं नहीं, ब्यावर पुलिस ने बताए आसान उपाय

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। सोशल मीडिया उपयोग के दौरान फेसबुक एप के हैंग होने या काम नहीं करने की स्थिति में नागरिकों को घबराने के बजाय कुछ आसान तकनीकी उपाय अपनाने की सलाह ब्यावर पुलिस ने दी है। पुलिस की ओर से जारी जागरूकता संदेश में साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की अपील की गई है। पुलिस के अनुसार फेसबुक हैंग होने पर सबसे पहले इंटरनेट कनेक्शन की जांच करें। इसके बाद फेसबुक एप को फोर्स स्टॉप कर दोबारा खोलें तथा एप का कैश क्लियर करें। एप को अपडेट करने, मोबाइल को रीस्टार्ट करने और फोन में पर्याप्त स्टोरेज रखने की भी सलाह दी गई है। जरूरत पड़ने पर फेसबुक लाइट का उपयोग अथवा एप को अनइंस्टॉल कर दोबारा इंस्टॉल किया जा सकता है। साथ ही मोबाइल के एंड्रॉयड सिस्टम को अपडेट रखने तथा फेसबुक सर्वर की स्थिति जांचने की सलाह दी गई है। पुलिस ने नागरिकों से साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूक और सतर्क रहने की अपील की है। किसी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत करने की सलाह दी गई है।

अग्रवाल मारवाड़ी पंचायत संस्था का 52वां नि:शुल्क मेडिकल शिविर आज

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। अग्रवाल मारवाड़ी पंचायत संस्था की ओर से रविवार को ललान गली स्थित श्री अग्रवाल मारवाड़ी भवन में 52वां नि:शुल्क मेडिकल जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर सहित सामान्य स्वास्थ्य की जांच के साथ एक्यूप्रेशर चिकित्सा संबंधी परामर्श भी दिया जाएगा। संस्था अध्यक्ष रमेश बंसल ने बताया कि शिविर में सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन एवं ब्लड प्रेशर की नि:शुल्क जांच की जाएगी। अमृत कौर अस्पताल के पूर्व वरिष्ठ फिजिशियन एवं पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.के. चौहान विशेषज्ञ सेवाएं देंगे। वहीं डॉ. कल्पना गोयल एक्यूप्रेशर पद्धति से शरीर के विभिन्न हिस्सों में होने वाले दर्द एवं नसों की कमजोरी संबंधी उपचार व परामर्श देंगी। शिविर संयोजक घनश्याम अड़का ने बताया कि बदलती जीवनशैली और तनाव के दौर में 40 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच करवानी चाहिए। डायबिटीज मरीजों के माता-पिता को भी जांच एवं परामर्श लेने की सलाह दी गई है। डायबिटीज रोगियों के लिए खाली पेट तथा भोजन के दो घंटे बाद ब्लड शुगर जांच की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। संस्था मंत्री राधेश्याम जाणी ने बताया कि पंचायत संस्था बिना किसी जाति-वर्ग भेदभाव के जरूरतमंदों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। संस्था पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने शहर व आसपास के नागरिकों से शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श का लाभ लेने की अपील की।

राजस्थान- 20 जिलों में आज भी तेज बारिश का अलर्ट

6 डिग्री गिरा पारा , दिन में रात जैसी ठंडक; 4 बांधों के गेट खोले, 2 छलके

जयपुर राजस्थान में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। आज भी 20 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। शनिवार को जयपुर सहित कई जिलों में दिनभर बरसात हुई। सवाई माधोपुर, धौलपुर के दो बांध छलक गए। तेज बारिश से नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने से सवाई माधोपुर, बारां, बूंदी, कोटा के एरिया में कई जगह नदियों पर बनी रपट डूब गई। इन जिलों में तापमान 6 डिग्री गिरकर सामान्य से नीचे आ गया, जिससे यहां दिन में रात जैसी ठंडक हो गई। 4 इंच तक पानी बरसा: पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बरसात सवाई माधोपुर के खंडार में हुई। यहां 102ह्रूपानी बरसा। करौली, भरतपुर, अलवर जिलों के अलग-अलग इलाकों में 3 इंच तक बारिश रिकॉर्ड हुई। अजमेर, बारां, बूंदी, दौसा, धौलपुर, करौली, टोंक, सीकर, कोटा, भीलवाड़ा, अजमेर के कई इलाकों में 1 से 2 इंच तक बरसात हुई। बांध ओवरफ्लो, गेट भी खोले: तेज बारिश के बाद भरतपुर बंध बारैठा बांध का गेज बढ़ने से 2 गेट, धौलपुर के पार्वती बांध के 2 गेट, झालावाड़ में कालीसिंध बांध के 3 गेट और कोटा के नवनेरा बांध के 7 गेट खोलकर पानी की निकासी की गई। जबकि धौलपुर का रामसागर डैम और सवाई माधोपुर का मानसरोवर बांध भी ओवरफ्लो होकर छलक गया।

'हम भारत के लोग: संविधान का समाज को एकात्म संदेश' पर व्याख्यान

हस्तीमल व्याख्यानमाला 13 सितंबर को- हनुमान सिंह राठौड़ होंगे मुख्य वक्ता

संविधान चित्र प्रदर्शनी एवं साहित्य रहेगा प्रमुख आकर्षण

स्मार्ट हलचल

उदयपुर, पाथेय कण संस्थान एवं विश्व संवाद केन्द्र समिति के संयुक्त तत्वावधान में हस्तीमल व्याख्यानमाला का प्रथम व्याख्यान 13 सितंबर रविवार को कार्यक्रम के सहआयोजक रवीन्द्रनाथ टैगोर आयुर्विज्ञान महाविद्यालय उदयपुर के मुख्य सभागार में आयोजित किया जाएगा। भारतीय संविधान की प्रस्तावना के प्रारंभिक शब्द 'हम भारत के लोग' को केंद्र में रखते हुए इस व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय संविधान के शब्दों 'हम भारत के लोग' में भारत के लोकतांत्रिक स्वरूप, सामूहिक चेतना, नागरिक दायित्व के साथ एकात्म भाव निहित है। यह व्याख्यान इन्हीं भावों को संविधान से समाज तक जोड़ते हुए व्याख्यानमाला के माध्यम से सार्थक वैचारिक संवाद की पहल है। व्याख्यान में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के अध्यक्ष हनुमान सिंह राठौड़ मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पाथेय कण संस्थान के अध्यक्ष एवं हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय करेंगे। कार्यक्रम संयोजक विकास छाजेड़ ने बताया कि कीर्तिशेष हस्तीमल हिरण का जीवन समाज एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण, सेवा और दायित्वबोध का प्रेरक उदाहरण रहा है। उनके जीवन में सामाजिक सरोकारों के साथ संतों एवं समाज के विभिन्न वर्गों से आत्मीय जुड़ाव रहा। कीर्तिशेष हिरण ने अपने 75वें जन्मदिवस पर नेत्रदान एवं देहदान का संकल्प लिया था। उनके निधन के पश्चात उनके नेत्र तथा देह चिकित्सा शिक्षा एवं शोध के लिए रवीन्द्रनाथ टैगोर आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के शरीर रचना विभाग को समर्पित किया गया। उनका यह संकल्प और उसका पालन समाज के लिए सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की प्रेरणा है। सेवा और समर्पण की इसी भावना को व्याख्यानमाला के माध्यम से आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

देहदान करने वाले परिवारों का सम्मान

आरएनटी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय उदयपुर के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. राहुल जैन ने बताया कि कार्यक्रम में पिछले वर्ष 2025 व 2026 में देहदान कर चुके दिवंगत व्यक्तियों के परिवारजन का सम्मान किया जाएगा। देहदान के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा एवं समाज के लिए योगदान देने वाले इन परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ ही कार्यक्रम में अंगदान एवं देहदान के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया जाएगा।

संविधान चित्र प्रदर्शनी और साहित्य केन्द्र

कार्यक्रम स्थल पर भारतीय संविधान पर विशेष चित्र प्रदर्शनी लगाई जाएगी। संविधान की मूल भावना एवं उसके विभिन्न पक्षों को समाज के सामने रखने वाली यह प्रदर्शनी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहेगी। इसके साथ ही विभिन्न प्रकाशकों एवं लेखकों का साहित्य भी कार्यक्रम स्थल पर उपलब्ध रहेगा।

डीजीपी का आह्वान: अपराध रोकथाम और जनजागरूकता में Y-CLG को बनाएं सक्रिय भागीदार

राजीव कुमार शर्मा ने वीसी से दिए निर्देश; महिला सुरक्षा, नशे के प्रभाव पर नियंत्रण व साइबर सुरक्षा पर रहेगा फोकस:

अपराध रोकथाम और जनसहभागिता बढ़ाने के लिए डीजीपी ने प्रदेशभर के Y-CLG सदस्यों से किया सीधा संवाद

साइबर फ्रॉड से बचाव व नशे की रोकथाम हेतु आह्वान किया

स्मार्ट हलचल

जयपुर, महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेशभर के पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस से जुड़े यूथ-सीएलजी सदस्यों से संवाद किया। उन्होंने वाई-सीएलजी को पुलिस और आमजन के बीच प्रभावी कड़ी के रूप में कार्य करते हुए अपराधों की रोकथाम, साइबर सुरक्षा, रोड़ सेफ्टी, महिला/बालिकाओं की सुरक्षा व नशे के खिलाफ दिया विशेष जोर। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस लता मनोज कुमार और उपमहानिरीक्षक कुंवर राष्ट्रदीप भी मौजूद रहे। डीजीपी श्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान को देश का सबसे सुरक्षित राज्य बनाने के लक्ष्य में यूथ-सीएलजी की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इसके लिए यूथ-सीएलजी सदस्यों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर पुलिस के साथ समन्वय से काम करना होगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि सदस्यों के साथ निरंतर संवाद और समन्वय बनाए रखा जाए तथा उन्हें अपराध रोकथाम एवं जनसुरक्षा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

अपराध की आशंका वाली गतिविधियों की सूचना पुलिस तक पहुंचाए

डीजीपी ने कहा कि यूथ-सीएलजी सदस्य अपराध नियंत्रण हेतु अपने सुझाव पुलिस से साझा कर सकते हैं इससे स्थानीय स्तर पर अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण लगाने में मदद मिलेगी.

महिला सुरक्षा को लेकर भी निभानी होगी सक्रिय भूमिका

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में महिला अपराधों की रोकथाम को विशेष प्राथमिकता दी गई। यूथ-सीएलजी सदस्य बालिका / महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने में पुलिस के साथ मिलकर सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।

युवाओं में नशे की प्रवृत्ति को रोकने का आहवान

इस अवसर पर डीजीपी ने कहा कि यूथ सीएलजी को युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने की दृष्टि से आगे आना होगा वे नशे के व्यापार पर रोक लगाने के लिए एवं लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसी तरह साइबर सुरक्षा में भी वाई-सीएलजी सदस्य आम जन को जागरूक करने में पुलिस का सार्थक सहयोग कर सकते हैं। पुलिस द्वारा साझा की जाने वाली उपयोगी एवं जनहितकारी सूचनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में यूथ-सीएलजी सदस्यों की प्रभावी भूमिका रहेगी, उनके माध्यम से ना सिर्फ़ जन उपयोगी जानकारियों का प्रसार किया जा सकेगा अपितु भ्रामक/हानिकारक सूचनाओं की सत्यता भी लोगों तक त्वरित गति से पहुचायी जा सकेगी।

एक माह बाद होगी कार्यों की समीक्षा

अतिरिक्त महानिदेशक सामुदायिक पुलिसिंग ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में 73,184 वाई-सीएलजी सदस्य पुलिस से जुड़ चुके हैं। उन्होंने वाई-सीएलजी के सहयोग से किए जा रहे कार्यों की प्रभावशीलता और उनके योगदान की एक माह बाद समीक्षा करने की बात रखी। महानिदेशक पुलिस ने विश्वास व्यक्त किया कि पुलिस और वाई-सीएलजी की संयुक्त एवं सक्रिय भागीदारी से सुरक्षित राजस्थान के संकल्प को और मजबूत किया जा सकेगा।

शिक्षक समाज के भविष्य के निर्माता, उनका सम्मान हमारी जिम्मेदारी

शिक्षक दिवस पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अतिवीर ने किया शिक्षक एवं छात्रा का सम्मान,संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप सिंह कासलीवाल किया याद

स्मार्ट हलचल

कोटा, शिक्षक दिवस के अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अतिवीर कोटा की ओर से शिक्षक एवं छात्र सम्मान समारोह तलवंडी जैन मंदिर में आयोजित किया गया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवा और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित दो शिक्षकों अजीत कुमार जैन एवं स्वाति जैन को सम्मानित किया गया। साथ ही पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में सक्रिय छात्रा ईर्या जैन को भी सम्मानित किया गया। ग्रुप अध्यक्ष मनोज पाटनी ने बताया कि यह कार्यक्रम फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप सिंह कासलीवाल की छठवीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी स्मृति में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव जेके जैन ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन और जीवन की सही दिशा भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में फेडरेशन कोटा रीजन अध्यक्ष अनिल ठौरा, सचिव पीयूष जैन, राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव उमेश जैन, जेके जैन, अशोक पहाड़िया, प्रकाश जैन सांमरिया, निकुंज पाटनी, हेमंत पाटनी सहित ग्रुप के गणमान्य एवं वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। उमेश अजमेरा एवं जेके जैन ने कार्यक्रम के महत्व पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार लुहाड़िया ने किया। अंत में कार्याध्यक्ष संदीप ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

काला बादल जयंती पर शिक्षा का नया संकल्प, जय मीनेश आदिवासी यूनिवर्सिटी में 120 प्रतिभाओं का सम्मान

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं, अवसर मिलना जरूरी है '–आर.डी. मीणा

स्मार्ट हलचल

कोटा। जय मीनेश आदिवासी यूनिवर्सिटी, रानपुर में काला बादल जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह शिक्षा, प्रतिभा सम्मान और सामाजिक उत्थान के नए संकल्प का साक्षी बना। समारोह में 120 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के साथ ही जरूरतमंद एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों की शिक्षा में आर्थिक सहयोग देने की पहल पर जोर दिया गया। समारोह को संबोधित करते हुए जय मीनेश आदिवासी यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन आर.डी. मीणा ने कहा कि समाज की सबसे बड़ी पूंजी उसकी प्रतिभावान युवा

पीढ़ी है। हमारा उद्देश्य केवल विद्यार्थियों का सम्मान करना नहीं, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए मजबूत आधार उपलब्ध कराना है। कोई भी प्रतिभा आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि काला बादल जयंती को शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन से जोड़ना समय की आवश्यकता है। आने वाले समय में विश्वविद्यालय के माध्यम से प्रतिभावान विद्यार्थियों को अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। हमारा लक्ष्य है कि आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए सहायता मिले और उन्हें बेहतर भविष्य बनाने का अवसर प्राप्त हो। आर.डी. मीणा ने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को भी शिक्षा के इस अभियान में आगे आकर सहयोग करना चाहिए। यदि समाज मिलकर अपनी प्रतिभाओं की शिक्षा की जिम्मेदारी उठाए तो आने वाली पीढ़ी को नई दिशा दी जा सकती है। उन्होंने भविष्य में प्रतिभावान विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने का केंद्र नहीं, बल्कि समाज की नई पीढ़ी के सपनों को आकार देने का माध्यम बने–यही हमारा प्रयास है। ग्रामीण और सामान्य परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मार्गदर्शन और अवसर मिलना जरूरी है। समारोह में 120 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की उपलब्धियों को मंच से पहचान मिलने से उनमें उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ। कार्यक्रम में यह संदेश भी दिया गया कि मेहनत और प्रतिभा को उचित अवसर मिलने पर विद्यार्थी देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने शिक्षा को सामाजिक उत्थान का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए प्रतिभावान विद्यार्थियों को निरंतर प्रोत्साहित करने की आवश्यकता जताई। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय की शिक्षा संबंधी पहलों और भविष्य की योजनाओं को लेकर भी चर्चा हुई। काला बादल जयंती का यह आयोजन परंपरा और आधुनिक शिक्षा के बीच सेतु बनता नजर आया। सम्मान से प्रतिभा को पहचान, सहायता से उसे संबल और निशुल्क शिक्षा के संकल्प से भविष्य को नई दिशा देने का संदेश समारोह से सामने आया। समारोह के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन, आयोजन समिति, सहयोगकर्ताओं एवं सभी सहभागी लोगों को बधाई दी गई। आयोजन में योगदान देने वाले सभी लोगों के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।

चंदवाड़ के स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया गया: भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर विद्यार्थियों ने गुरुजनों का सम्मान किया

स्मार्ट हलचल

अ घाड़ (देवली), टोंक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चंदवाड़ में भारत रत्न और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां शारदे और डॉ. राधाकृष्णन के चित्रों के सामने दीपजलाकर और माला पहनाकर हुई। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य और पीईओ रसपाल गुर्जर ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उपप्राचार्य राम सागर मीणा और शिक्षिका कीर्तिका गौतम ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन और भारतीय शिक्षा में उनके योगदान के बारे में बताया। विद्यार्थियों ने इस समारोह में हिस्सा लिया। छात्र-छात्राओं नेअपने गुरुजनों को माला पहनाई, स्मृति चिन्ह और खुद बनाए ग्रीटिंग कार्ड दिए। उन्होंने अपने विचारों से शिक्षकों के प्रति सम्मान जताया। वरिष्ठ अध्यापक संजय कुमार मीणा ने कार्यक्रम का संचालन किया। समारोह के आखिर में विद्यालय परिवार की ओर से सभी विद्यार्थियों को 'कृष्णभोग' प्रसादी बांटी गई। इस अवसर पर उपप्राचार्य अजीत कुमार थलहेटिया, व्याख्याता दिलीप भील, वरिष्ठ अध्यापक राम खिलाड़ी मीणा, सहाब लाल मीणा, अध्यापक महावीर देवतवाल, बहादुर सिंह मीणा, महेंद्र बैरवा, राजू लाल बलाई, नोरती देवी, मुकेश कुमार मीणा, सुरेश कुमार देवातवाल, भागीरथ कुम्हार सहित पूरा विद्यालय स्टाफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

भारी बारिश से बसवा गांव में बाढ़ जैसे हालात, स्कूल और एएनएम सेंटर जलमग्न

सड़कों के ऊपर से बह रहा पानी, ग्रामीण घरों में कैद होने को मजबूर – जलनिकासी की व्यवस्था न होने से बढ़ी परेशानी

स्मार्ट हलचल

खखरेरू/फतेहपुर धाता विकासखंड की ग्राम सभा बसवा में लगातार हो रही भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। गांव के चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है। कई स्थानों पर सड़कों के ऊपर से पानी बह रहा है, जिससे आवागमन प्रभावित हो गया है। जलभराव के कारण प्राथमिक विद्यालय और एएनएम सेंटर भी पानी से घिर गए हैं। कंपोजिट विद्यालय के आसपास भारी जलभराव होने से छात्र-छात्राओं को स्कूल पहुंचने में परेशानी हो रही है। विद्यालय परिसर में लगा हैंडपंप भी पानी में डूबा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण कच्चे मकानों पर भी खतरा मंडरा रहा है। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से पानी गांव में ही जमा होता जा रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक गांव के लगभग सभी तालाब भर चुके हैं। इसके चलते बारिश का पानी बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। कई परिवारों को घरों में ही रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। लगातार पानी के बहाव और जलभराव के कारण जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीण धनराज, शिवकरण, वीरेंद्र, इंद्रपाल, लक्ष्मण, विजय, रमेश, कैरा आदि ने बताया कि जलभराव की समस्या को लेकर कई बार उच्च अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। कंपोजिट विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय की बाउंड्रीवॉल का काम अभी पूरा नहीं हुआ है। इसके कारण बारिश का पानी विद्यालय परिसर में प्रवेश कर रहा है। गांव के अधिकांश तालाब भी भर चुके हैं, जिससे पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। मामले की सूचना खंड शिक्षा अधिकारी समेत उच्च अधिकारियों को दी गई है। उन्होंने बताया कि जलभराव के कारण बच्चों और शिक्षकों को विद्यालय आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सचिव राजेंद्र सिंह ने बताया कि जलभराव कि समस्या की सूचना पर जेसीबी मशीन की सहायता से पानी निकालने की व्यवस्था कराई गई हैनिचली सतह होने के कारण आसपास के गांव का पानी आने से यहां की समस्या और विकराल हो रही है

ईंट-भट्टे में पार्टनरशिप दिलाने के नाम पर 1.82 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप,

पुलिस कांस्टेबल भागचंद शर्मा सहित दो लोगों के खिलाफ मेहंदवास थाने में मामला दर्ज

स्मार्ट हलचल

टोंक। ईंट-भट्टे के कारोबार में पार्टनरशिप दिलाने का झांसा देकर 1 लाख 82 हजार रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता की रिपोर्ट पर मेहंदवास थाना पुलिस ने पुलिस कांस्टेबल भागचंद शर्मा एवं कृष्ण कुमार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(4) एवं 316(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी रिपोर्ट में रामकरण चौधरी पुत्र ओंकार मल चौधरी, निवासी महादेवाली, टोंक ने आरोप लगाया कि वह कृषि उपज मंडी समिति टोंक से सेवानिवृत्त कर्मचारी है। उसके पुत्र राजेन्द्र चौधरी वर्ष 2011 से 2016 तक लहन गांव के राजकीय विद्यालय में वरिष्ठ अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। इसी दौरान लहन निवासी भागचंद शर्मा, जो राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल बताया गया है, से उनके

पारिवारिक एवं परिचय संबंध बने। शिकायत के अनुसार वर्ष 2023 में भागचंद शर्मा ने शिकायतकर्ता एवं उसके पुत्र राजेन्द्र चौधरी को ग्राम बोरदा तन में स्थित शिव ब्रिक्स इंडस्ट्रीज (एसबीआई) ईंट-भट्टे में पार्टनरशिप दिलाने का भरोसा दिलाया। आरोप है कि 60 लाख रुपये निवेश करने पर 30 प्रतिशत पार्टनरशिप देने की बात कही गई। शिकायतकर्ता के मुताबिक भागचंद शर्मा के भरोसे में आकर उसने अलग-अलग लोगों से रकम जुटाई। रिपोर्ट में विभिन्न व्यक्तियों एवं अन्य स्रोतों से रकम लिए जाने का उल्लेख किया गया है। इसके बाद 1 सितंबर 2023 को 60 हजार नहीं बल्कि 60 लाख रुपये की कथित निवेश राशि में से 60,00,000 रुपये देने संबंधी दस्तावेज तैयार किए जाने का भी उल्लेख शिकायत में है। बाद में जब शिकायतकर्ता ने ईंट-भट्टे की पार्टनरशिप और कारोबार के संबंध में जानकारी ली तो कथित तौर पर उसे पता चला कि जिस जमीन को भागचंद शर्मा की बताकर पार्टनरशिप का भरोसा दिलाया गया था, वह भागचंद शर्मा की खातेदारी की जमीन नहीं होकर प्रहलादी देवी पत्नी सुरजन मीणा, निवासी बोरदा की खातेदारी की जमीन बताई गई। इसके बाद शिकायतकर्ता ने अपनी रकम वापस मांगी। आरोप है कि भागचंद शर्मा ने 1 लाख 82 हजार रुपये नकद प्राप्त किए, लेकिन बाद में रकम लौटाने से इनकार कर दिया और फरार हो गया। शिकायतकर्ता ने पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर रकम बरामद करने तथा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार 2 सितंबर 2026 को रामकरण चौधरी की रिपोर्ट पर मेहंदवास थाने में BNS की धारा 318(4) एवं 316(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। मामले की जांच एएसआई प्रेमनारायण को सौंपी गई है।

शिक्षक संघ रेसटा के स्थापना दिवस पर शैक्षिक संगोष्ठी, लगाए पौधे और शिक्षकों का किया सम्मान,

राज्यभर में लगाए जाएंगे 5,100 पौधे–पर्यावरण संरक्षण के लिए धरती को बचाना है तो हर इंसान को एक पौधा लगाना होगा : डीएफओ मेहरा

स्मार्ट हलचल

टोंक/बीकानेर। शिक्षक संघ एलीमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) राजस्थान के सातवें स्थापना दिवस के अवसर पर पब्लिक पार्क में प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद की अध्यक्षता में शैक्षिक संगोष्ठी, पौधारोपण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप वन संरक्षक वन्यजीव बीकानेर तरुण मेहरा तथा विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय वन अधिकारी सरोज रहीं। बीकानेर जिलाध्यक्ष सीताराम डूडी एवं जिला सभाध्यक्ष गोपाल शर्मा ने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर संगठन की ओर से पर्यावरण संरक्षण को लेकर 'एक पेड़ शिक्षक के नाम' अभियान के तहत पब्लिक पार्क सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर 21 पौधे लगाए गए। उन्होंने

बताया कि आगामी पांच दिनों में राज्यभर में 5,100 तथा बीकानेर जिले में 751 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

मुख्य अतिथि उप वन संरक्षक वन्यजीव तरुण मेहरा ने कहा कि शिक्षक संघ रेसटा की ओर से चलाया जा रहा पौधारोपण अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि 'धरती को अगर है बचाना, तो हर इंसान को एक पौधा लगाना है।' पर्यावरण संरक्षण केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी होगी। प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने बताया कि शैक्षिक संगोष्ठी में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने, नामांकन बढ़ाने तथा ड्रॉपआउट बच्चों की संख्या कम करने के लिए प्रभावी स्तर पर कार्य करने का निर्णय लिया गया।

शिक्षकों की लंबित मांगों पर भी चर्चा

प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर विश्नोई ने कहा कि राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग को तृतीय श्रेणी शिक्षकों की लंबित पदोन्नति एवं तबादलों की प्रक्रिया जल्द पूरी करनी चाहिए। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारियों की सीधी भर्ती की प्रक्रिया भी शीघ्र शुरू किए जाने की मांग रखी गई।

चार शिक्षकों का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान शिक्षक संघ की ओर से उत्कृष्ट कार्य के लिए चार शिक्षकों भंवर लाल आचार्य, धीरज बारहठ, ओमशंकर मौर्य एवं सुनील कुमार शर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप वन संरक्षक वन्यजीव तरुण मेहरा, क्षेत्रीय वन अधिकारी सरोज, प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर विश्नोई, जिला संरक्षक भंवर लाल आचार्य, मुकेश जेवरिया, क्षेत्रीय वन अधिकारी विशन सिंह, जेठमल शर्मा, ताराचंद, भीम सिंह मीणा, जिला सभाध्यक्ष गोपाल शर्मा, धीरज बारहठ, जिलाध्यक्ष सीताराम डूडी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील कुमार शर्मा, जिला संगठन मंत्री ओमशंकर मौर्य, जिला महासचिव डूंगर दान, मनीष काचरिया, बाबू लाल मीणा, निर्मल रतनू, प्रहलाद सहित संगठन के पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल बाढ़: भारत की फोरेंसिक लैब में मिलेगी लापता लोगों की फ्री डीएनए प्रोफाइलिंग की सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के पीड़ितों की पहचान प्रक्रिया को तेज और सुगम बनाने के लिए भारत ने बड़ी पहल की है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस आपदा में लापता हुए लोगों के परिजनों के लिए भारत की केंद्रीय और राज्य स्तरीय फोरेंसिक लैब में डीएनए प्रोफाइलिंग की सेवाएं मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी।

भारत सरकार का यह कदम आपदा की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों को अपनों की तलाश और पहचान करने में बेहद मददगार साबित होगा।

करीबी रिश्तेदार करवा सकेंगे डीएनए जांच

इस विशेष सुविधा का लाभ भारत में रहने वाले लापता लोगों के करीबी रिश्तेदार उठा सकते हैं। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, लापता व्यक्ति के माता-पिता, बेटा-बेटी या भाई-बहन अपने बायोलॉजिकल नमूने देकर डीएनए प्रोफाइल तैयार करवा सकते हैं।

यह जांच प्रक्रिया केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं, राज्य फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं, राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय और डीएनए प्रोफाइलिंग की क्षमता रखने वाली मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में पूरी की जाएगी। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बर्फ और चट्टानों के खिसकने के कारण आई इस आकस्मिक बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल के गांवों और कस्बों को बुरी तरह तबाह कर दिया है। नेपाली अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, प्रभावित इलाकों से अब तक कम से कम 1290 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं।

राहत और बचाव दल लगातार मोर्चे पर डटे हुए हैं, अब तक 12000 से अधिक लोगों को सुरक्षित बचाया जा चुका है। हालांकि, स्थिति अभी भी गंभीर है क्योंकि लगभग 5000 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश लगातार जारी है। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने 26 अगस्त को आई इस बाढ़ के पीड़ितों की पहचान से जुड़ी आवश्यक प्रक्रिया और जानकारी पहले ही साझा कर दी थी। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भारत में मौजूद फोरेंसिक लैब की सेवाएं देने का फैसला किया है।

नेपाल पुलिस के अनुसार, शवों की शिनाख्त के लिए 'ऑटोसोमल एसटीआर डीएनए प्रोफाइलिंग' की तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह पूरी प्रक्रिया नेपाली अधिकारियों द्वारा बताई गई तकनीकी आवश्यकताओं और तय मानकों के आधार पर ही की जाएगी।

उनियारा का निकाय चुनाव : जनमत बनाम धन-बल, नगर निकाय चुनाव की सरगर्मियां चरम पर,

प्रत्याशियों के साथ भाजपा-कांग्रेस सहित विभिन्न दलों के नेता झोंक रहे पूरी ताकत,गली-मोहल्लों में बैठकों और जनसंपर्क का दौर तेज

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। नगर निकाय चुनाव की सरगर्मियां अब चरम पर पहुंच चुकी हैं। प्रत्याशियों के साथ भाजपा और कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भी चुनावी मैदान में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। गली-मोहल्लों में बैठकों का दौर जारी है, जनसंपर्क तेज हो गया है और प्रत्येक वोट को अपने पक्ष में करने की कवायद लगातार जोर पकड़ रही है। चुनावी माहौल के बीच दोनों प्रमुख दलों की नजर उन मजबूत निर्दलीय प्रत्याशियों पर भी टिकी हुई है, जो चुनाव परिणाम के बाद राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने की स्थिति में हो सकते हैं।

कांटे के मुकाबले के बीच निर्दलीयों पर नजर

उनियारा शहर में नगर निकाय चुनाव के बीच चल रही राजनीतिक चर्चाओं और स्थानीय आंकलनों के अनुसार इस बार भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला बेहद कांटे का माना जा रहा है। चर्चाओं में यह संभावना भी जताई जा रही है कि दोनों प्रमुख दलों को लगभग बराबर संख्या में सीटें मिल सकती हैं। यदि ऐसा हुआ तो स्पष्ट बहुमत के अभाव में बोर्ड गठन के लिए निर्दलीय प्रत्याशियों की भूमिका निर्णायक हो सकती है।

यहीं से चुनाव का सबसे बड़ा सवाल सामने आता है

क्या निकाय चुनाव का अंतिम फैसला जनमत से होगा या धन-बल और राजनीतिक जोड़-तोड़ से? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि चुनाव परिणाम के बाद बनने वाला नगर पालिका बोर्ड अगले पांच वर्षों तक शहर के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लेगा।

बोर्ड गठन के बाद क्या होगी प्राथमिकता?

यदि किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता और बोर्ड गठन के लिए राजनीतिक जोड़-तोड़ की स्थिति बनती है, तो उसका असर केवल सत्ता के समीकरणों तक सीमित नहीं रह सकता। सड़क, नाली, सफाई, पेयजल, रोशनी, विकास कार्यों, बजट आवंटन और अन्य जनहित के मुद्दों पर भी राजनीतिक समीकरणों का प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। लोकतंत्र में संख्या बल के आधार पर बोर्ड का गठन संवैधानिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन सवाल उसकी स्थिरता, पारदर्शिता और जवाबदेही का भी है। निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच लगातार मतभेद की स्थिति बनने पर इसका असर शहर के विकास की गति पर पड़ सकता है। वहीं, यदि मतदाता स्पष्ट जनादेश देते हैं तो बोर्ड के पास विकास की प्राथमिकताओं को लागू करने के लिए अपेक्षाकृत स्थिर राजनीतिक आधार हो सकता है। हालांकि अंतिम फैसला पूरी तरह मतदाताओं के विवेक और चुनाव परिणाम पर निर्भर करेगा।

अब फैसला उनियारा की जनता के हाथ में

चुनाव में असली ताकत मतदाता के पास होती है। जनता को तय करना है कि वह व्यक्तिगत प्रभाव, राजनीतिक समीकरण और कथित धन-बल से प्रभावित होकर मतदान करती है या प्रत्याशी की ईमानदारी, जनसेवा, उपलब्धता, कार्यक्षमता और शहर के विकास के प्रति उसकी सोच को प्राथमिकता देती है। नगर पालिका का चुनाव केवल पार्षद चुनने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि अगले पांच वर्षों के लिए शहर के विकास की दिशा और प्राथमिकताएं तय करने का अवसर भी है। इसलिए मतदान से पहले मतदाताओं के लिए जरूरी है कि वे प्रत्याशियों के वादों के साथ उनके पिछले कार्यों, व्यवहार, जनता के प्रति उपलब्धता और जनहित के मुद्दों पर उनकी गंभीरता को भी परखें। आखिरकार चुनाव में धन-बल कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, लोकतंत्र में अंतिम शक्ति मतदाता के वोट में ही होती है। अब देखना यह होगा कि उनियारा का मतदाता इस चुनाव में व्यक्तिगत समीकरणों और प्रभाव को प्राथमिकता देता है या जनहित, विकास और जवाबदेह प्रतिनिधित्व को। फैसला जनता करेगी और चुनाव परिणाम बताएगा कि उनियारा ने जनमत को प्राथमिकता दी या धन-बल के प्रभाव को।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर बड़ा हमला, बीएलए का दावा- 25 जवानों को किया ढेर

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान में गुरुवार को पाकिस्तानी सेना के काफिले पर बड़ा हमला हुआ। इस हमले की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है। बीएलए ने दावा किया है उन्होंने इस हमले में पाकिस्तानी सेना के 25 जवानों को ढेर किया और सेना की दो गाड़ियों में आग लगा दी। द बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक, बीएलए के प्रवक्ता ने बताया कि उनके लड़ाकों ने जियारत क्रॉस पर सेना के एक काफिले को निशाना बनाया। उन्होंने गाड़ियों पर हमला किया और उनमें से दो को नष्ट कर दिया, जिनमें सेना का एक ट्रक भी शामिल था। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने शुरुआत में दावा किया था कि हमले में पाकिस्तानी सेना के 18 जवान मारे गए हैं, लेकिन बाद में मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई। बीएलए ने अपने आधिकारिक मीडिया चैनल हक्कल पर इस हमले का 1 मिनट 11 सेकंड का वीडियो ट्रेलर भी जारी किया। संगठन का कहना है कि इसमें जियारत क्रॉस पर हुए हमले के फुटेज दिखाए गए हैं। बीएलए के जारी किए फुटेज में हथियारबंद लड़ाके जलती हुई पाकिस्तानी सैन्य गाड़ियों के पास दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में हादसे की जगह पर शव दिखाए गए हैं। इसके साथ ही जब्त किए गए हथियार भी दिख रहे हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ये ट्रेलर जारी करते हुए लिखा कि अभी पूरा वीडियो आना बाकी है, जो कि बाद में जारी किया जाएगा। बीएलए के बयान के अनुसार, एक अलग घटनाक्रम में, सुराब के हाजिका इलाके में समूह के स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशन्स स्क्वाड ने विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को रिमोट से उड़ा दिया। बीएलए ने दावा किया कि इस हमले में सेना की एक गाड़ी नष्ट हो गई और सात जवान मारे गए।

अटलांटिक महासागर में प्रवासियों की नाव फंसी, 5 की मौत; 44 को बचाया गया

बार्सिलोना, एजेंसी। अटलांटिक महासागर में पश्चिमी अफ़्रीकी देशों के प्रवासियों को ले जा रही एक नौका के मुश्किल में फंसने के बाद कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य लोगों के भी मारे जाने की आशंका है। इस हादसे के बाद 44 लोगों को सुरक्षित बचाकर कैनरी द्वीप लाया गया है। स्पेन की समुद्री बचाव सेवा ने बृहस्पतिवार को बताया कि उसके एक विमान ने बुधवार अपराह्न ग्रैन कैनरिया द्वीप के दक्षिण में लगभग 120 किलोमीटर (74 मील) दूर बहती हुई एक खतरनाक हालत वाली नौका देखी। बचे हुए तीन लोगों को तुरंत हेलीकॉप्टर से द्वीप पर स्थित अस्पताल ले जाया गया। बाकी 41 प्रवासियों को नौका से सुरक्षित बाहर निकाला गया और बृहस्पतिवार तड़के आर्गिनगुइन बंदरगाह पर उतारा गया, जहां रेड क्रॉस ने उनकी देखभाल की। कैनरीज में रेड क्रॉस के प्रवक्ता होजे एंटोनियो रोड्रिगेज वेरोना ने बताया कि बचे हुए सभी लोग पुरुष थे, जिनमें से कुछ नाबालिग थे और वे माली या सेनेगल से आए थे।

भारत के 17 दिन के एयरस्पेस अलर्ट से पाकिस्तान में घबराहट

इस्लामाबाद , एजेंसी। भारत के 17 दिन के एयरस्पेस अलर्ट से पाकिस्तान में घबराहट का माहौल है। इस्लामाबाद ने अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रख दिया है। बता दें कि भारत ने 21 सितंबर से 7 अक्टूबर तक के लिए राजस्थान क्षेत्र के पाकिस्तान बॉर्डर पर एयरस्पेस रिजर्व करने के लिए नोटिस टू एयर मिशन्स जारी किया है। जहां सेना का अभ्यास होगा। वहीं इस बीच भारत के नोटैमजारी करते ही इस्लामाबाद में सुरक्षा की तत्काल समीक्षा की जा रही है। इस बीच पाकिस्तान ने सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है और किसी भी संभावित खतरे का मुंहतोड़ जवाब देने की चेतावनी दी है। जानकारी के मुताबिक, इसके बाद यह आकलन पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज के ऑफिस को सौंपा गया। भारतीय वायु सेना द्वारा तय एयरस्पेस एक्टिविटी की तैयारी के बीच पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने भी भारत-पाकिस्तान सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। भारत का नोटैमदो हफ़्ते से ज़्यादा समय के लिए है और इसने पाकिस्तान के सिक्योरिटी सिस्टम को प्लानड एक्टिविटी की बारीकी से जांच करने के लिए प्रेरित किया है। , सुरक्षा से जुड़े एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा अधिकारी इस नोटिफिकेशन को फौरन आकलन की ज़रूरत वाले मामले के तौर पर देख रहे हैं। नतीजतन, सीमा पर सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

स्टाइनम ने गांधी से प्रेरणा ले अमेरिका में छेड़ा था आंदोलन; भारत में पदयात्रा से बदली थी सोच

कैथरीन क्यू सीली, एजेंसी। पूरी दुनिया में चर्चित नारीवादी कार्यकर्ता ग्लोरिया स्टाइनम का बुधवार को 92 साल की उम्र में निधन हो गया। कम ही लोगों को पता होगा कि अमेरिका में महिला मुक्ति आंदोलन का प्रमुख चेहरा रही ग्लोरिया को इसकी प्रेरणा महात्मा गांधी से मिली थीं। वह 1957 में भारत आई थीं और गांधी के अनुयायियों के साथ दक्षिण भारत में पदयात्राओं का हिस्सा रही थीं।

स्टाइनम उस समय कॉलेज के आखिरी वर्ष में थीं और अपने प्रेमी के साथ शादी करने की योजना बना रही थीं। बाद में उन्हें लगा कि वह शायद इसलिए शादी के बंधन में बंध रही हैं और बच्चा पैदा करना चाहती हैं क्योंकि समाज महिलाओं से यही अपेक्षा करता है। उन्हें विवाह एक शुरुआत नहीं, आजादी के अंत जैसा लगा। बस फिर क्या था, उन्होंने सगाई की अंगूठी अपने मंगेतर के तकिये के नीचे रख दी और भारत के सफर पर रवाना हो गईं।

पदयात्रा कर जमीनी हकीकत जानी : वह स्वतंत्रता के केवल एक दशक बाद महात्मा गांधी की विरासत से आकर्षित होकर भारत की ओर खिंची चली आई थीं। उन्होंने अध्ययन के लिए चेस्टर बोउल्स एशियाई फेलोशिप जीती थी लेकिन जल्द ही अपनी कक्षाएं छोड़ दीं। एक साड़ी पहनकर और केवल एक तौलिया, एक कप और एक कंघी लेकर गांधीजी के अनुयायियों के साथ

दक्षिणी भारत में पदयात्रा पर निकल पड़ीं। यहीं, उन्होंने जमीनी स्तर पर संगठन के बारे में सबक सीखे और आगे चलकर अमेरिका में महिला मुक्ति आंदोलन शुरू किया।

प्लेबॉय क्लब में काम कर महिलाओं की दुर्दशा जानी : अमेरिका लौटने के बाद ग्लोरिया ने मैसाचुसेट्स में एक एनजीओ के लिए काम किया। बतौर पत्रकार भी सक्रिय रहीं। वर्ष 1963 में न्यूयॉर्क के प्लेबॉय क्लब में एक अंडरकवर वेट्रेस के रूप में काम किया ताकि महिलाओं की स्थिति को करीब से जान सकें।

रिपोर्ट ने मचा दिया तहलका... : उन्होंने करीब दो हफ्ते तक क्लब में यह काम शो पत्रिका के लिए किया। इसके बाद उनकी जो रिपोर्ट छपी उसने पूरी दुनिया में तहलका मचा दिया। उस दौर में जब महिलाओं को गंभीर पत्रकार या पेशेवर नहीं बल्कि केवल खूबसूरत शो-पीस माना जाता था, ग्लोरिया ने उस कड़वी सच्चाई को दुनिया के सामने रखा, जिसे समाज हमेशा दबाए रहता था।

अंतिम समय तक रहीं सक्रिय : 25 मार्च 1934 को टोलेडो, ओहायो में जन्म। 10 वर्ष की आयु में माता-पिता के तलाक के बाद मानसिक रूप से अस्वस्थ मां की देखभाल की जिम्मेदारी संभाली। 1968 में न्यूयॉर्क पत्रिका की सह-संस्थापक बनीं और मासिक राजनीतिक कॉलम द सिटी पॉलिटिक शुरू कर बेबाक राय रखनी शुरू की। 1972 में पूरी तरह महिलाओं के स्वामित्व वाली और संचालित पहली राष्ट्रीय पत्रिका मिस की सह-स्थापना की, जिसने गर्भपात, घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। 90 वर्ष की उम्र तक निबंध लिखने, व्याख्यान देने में सक्रिय रही और महिलाओं के मुद्दे उठाती रहीं।

अमेरिका में ग्रीन कार्ड की उम्मीदों को झटका, खाड़ी संकट ने भी बढ़ाई चिंता

वाशिंगटन/दुबई, एजेंसी। अमेरिका में ग्रीन कार्ड के इच्छुक भारतीयों की दिक्कतें और बढ़ सकती हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी दी कि भारतीय नागरिकों के लिए रोजगार आधारित प्रथम प्राथमिकता (ईबी-1) ग्रीन कार्ड आने वाले हफ्तों में अस्थायी रूप से अनुपलब्ध हो सकते हैं। विभाग के सितंबर वीजा बुलेटिन के अनुसार, भारी मांग के चलते अमेरिकी वित्त वर्ष के 30 सितंबर को समाप्त होने से पहले भारत का तय कोटा खत्म हो सकता है। हालांकि विभाग ने कहा है कि वह वीजा उपलब्धता की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। जरूरत पड़ने पर वीजा संख्या और तारीखों में उचित बदलाव किए जाएंगे। ईबी-1 श्रेणी असाधारण प्रतिभा वाले पेशेवरों, प्रसिद्ध शोधकर्ताओं, प्रोफेसरों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के अधिकारियों के लिए होती है। अत्यधिक मांग के चलते सितंबर के लिए ईबी-1 भारत की अंतिम कार्रवाई तिथि 15 अक्तूबर, 2022 तय की गई है। इसका मतलब है कि सामान्य तौर पर उन्हीं भारतीय आवेदकों के मामलों में अंतिम कार्रवाई हो सकती है जिनकी प्राथमिकता तारीख 15 अक्तूबर 2022 से पहले की है। खाड़ी क्षेत्र में एक बार फिर पूर्ण युद्ध जैसे हालात हैं। एक माह शांति के बाद अमेरिका-ईरान संघर्ष का ताजा, खतरनाक दौर भारतीयों के लिए संकट लाया है। इसके सीधे असर से यूएई, बहरीन, कुवैत, कतर व सऊदी के करीब 90 लाख भारतीय प्रवासी चिंता में हैं। अमेरिका ने पश्चिम एशियाई देशों के लिए दूसरी सबसे ऊंची श्रेणी की चेतावनी जारी की है। यूरोपीय विमानन सुरक्षा एजेंसी ने भी फारस व ओमान की खाड़ी के लिए चेतावनी 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। ये सारे डेवलपमेंट बेहद गंभीर हैं।

डिलीवरी के ऑपरेशन में नहीं मिला बच्चा, सच्चाई जानकर सब रह गए हैरान

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची के एक अस्पताल में गर्भावस्था से जुड़ा हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 9 महीने की गर्भवती महिला की डिलीवरी के लिए ऑपरेशन किया गया, लेकिन सर्जरी के दौरान उसके पेट में बच्चा ही नहीं मिला। हैरानी की बात यह है कि अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में महिला की करीब 38 हफ्ते की प्रेग्नेंसी बताई गई थी। मामला सामने आने के बाद परिवार ने अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि, इस घटना ने एक अहम सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर डिलीवरी के ऑपरेशन से पहले डॉक्टर किन जांचों और क्लिनिकल चेकअप के जरिए यह पुष्टि करते हैं कि महिला वास्तव में गर्भवती है और गर्भ में बच्चा सुरक्षित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस जांच में सामने आया कि महिला ने अपनी प्रेग्नेंसी की फर्जी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट तैयार करवाई थी। जांच में यह भी पता चला कि महिला वास्तव में गर्भवती नहीं थी। बताया गया कि परिवार की ओर से उस पर बच्चा कंसीव करने का दबाव था, जिसके चलते उसने कथित तौर पर यह फर्जी रिपोर्ट बनवाई।

डिलीवरी से पहले कौन-कौन सी जांच जरूरी : गुरुग्राम स्थित फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की डायरेक्टर डॉ. नूपुर गुप्ता के मुताबिक, जब कोई महिला डिलीवरी के लिए अस्पताल पहुंचती है तो डॉक्टर सबसे पहले उसकी पिछली मेडिकल रिपोर्ट और

अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट देखते हैं। डॉक्टर यह पता करते हैं कि गर्भावस्था कितने सप्ताह की है, गर्भ में बच्चे की स्थिति क्या है और बच्चे की हार्टबीट कैसी है। अगर पुरानी मेडिकल रिपोर्ट उपलब्ध नहीं हैं या बच्चे की स्थिति को लेकर किसी तरह का संदेह है, तो महिला की स्थिति के अनुसार जरूरी जांच कराई जाती है।

जरूरत पड़ने पर डिलीवरी से पहले उसी समय अल्ट्रासाउंड भी किया जा सकता है। खासकर तब, जब डॉक्टर को बच्चे की पोजिशन, प्लेसेंटा या गर्भावस्था की स्थिति को लेकर कोई चिंता हो। पाकिस्तान के मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर महिला वास्तव में गर्भवती नहीं थी, तो केवल पुरानी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट के आधार पर उसका ऑपरेशन कैसे कर दिया गया? डॉ. नूपुर गुप्ता के अनुसार, गर्भावस्था के आखिरी महीनों में बच्चे की स्थिति और उसकी सेहत का आकलन करने के लिए सिर्फ एक पुराना अल्ट्रासाउंड पर्याप्त नहीं माना जाता।

'ईरान के मुकाबले चीन ज्यादा जिम्मेदार', अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने कही ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने के लिए चीन भी अमेरिका का सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्होंने ईरान की तुलना में चीन को ज्यादा जिम्मेदार देश भी बताया। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक रूप से दबाव बनाने के लिए 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' शुरू किया है। जिस पर सवाल उठ रहे हैं कि चीन की मदद के बिना ये अभियान सफल नहीं हो सकता। जब इसे लेकर वेंस से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि चीन भी मदद के लिए तैयार है। वेंस ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि चीन सरकार, इस मामले में सहयोग के लिए तैयार है।' हालांकि वेंस ने स्वीकार किया कि अमेरिका और चीन के बीच कुछ नीतिगत मतभेद हैं, लेकिन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अच्छे संबंध हैं। वेंस ने कहा, 'चीन के बारे में जो कहें, लेकिन वे उस तरह के देश नहीं हैं कि किसी अंतरराष्ट्रीय विवाद में अपनी बात मनवाने के लिए वाणिज्यिक जहाजों पर गोलीबारी करते रहें।' जेडी वेंस ने बताया कि तुर्किये, अजरबैजान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और अन्य खाड़ी देशों सहित कई अन्य देश भी अमेरिका की मदद करने के लिए कदम उठा रहे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा, 'कई देश, कभी-कभी सार्वजनिक रूप से कुछ कहने के लिए तैयार नहीं होते हैं, लेकिन निजी तौर पर वे वाणिज्यिक जहाजों पर गोलीबारी करने के लिए ईरान को सबक सिखाना चाहते हैं और इस वजह से वे हमारी मदद भी कर रहे हैं।' अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि ट्रंप प्रशासन के पास ईरान से निपटने के लिए आर्थिक, सैन्य, राजनयिक और गुप्त उपायों समेत कई विकल्प मौजूद हैं। वेंस का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। वेंस ने कहा कि ईरान पर दबाव बनाने की हम अपनी योजनाओं का खुलासा नहीं करेंगे क्योंकि इससे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की फैसला लेने की क्षमता सीमित हो जाएगी।

100 साल से केन्या में थी टाटा की कंपनी, अब राष्ट्रपति ने कामकाज बंद करने का दिया आदेश

नैरोबी, एजेंसी। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने काजीआडो के लेक मगाडी में काम कर रही भारतीय कंपनी टाटा केमिकल्स को अपना काम तुरंत रोकने का आदेश दिया है। राष्ट्रपति ने कंपनी पर आरोप लगाया है कि एक सदी से भी अधिक समय से इस क्षेत्र में काम करने के बावजूद वह पर्याप्त निवेश, नौकरियां और औद्योगिक विकास लाने में विफल रही है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सरकार टाटा केमिकल्स की जगह नए निवेशकों को लाएगी, जिनसे देश में ही विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) सुविधाएं स्थापित करने को कहा जाएगा।

क्या हम दूसरों के गुलाम हैं : एक विकास दौरे के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति रुटो ने कहा, उस टाटा कंपनी के पास यह अनुबंध 100 वर्षों से था, लेकिन उन्होंने काजीआडो में कोई फैक्टरी या ढांचा खड़ा नहीं किया।

उन्होंने जनता से तीखा सवाल पूछा, क्या हम दूसरे लोगों के गुलाम हैं?। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि केन्या की प्राकृतिक संपत्ति का लाभ सबसे पहले केन्याई लोगों को मिलना चाहिए और संसाधनों को सिर्फ निकालकर प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) के लिए बाहर नहीं भेजा जाना चाहिए। सरकार का मानना है कि स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण होने से औद्योगिक विकास, रोजगार और कर राजस्व को बढ़ावा मिलेगा।

1911 से चल रहा था परिचालन : टाटा केमिकल्स का काम इस साल जुलाई के अंत में ही निलंबित करने का सरकारी निर्देश दिया गया था, जिसके बाद मगाडी सोडा फैक्टरी का परिचालन और सोडा ऐश का निर्यात रोक दिया गया था। टाटा केमिकल्स ने साल 2005 में इस कंपनी का अधिग्रहण किया था, जबकि यह व्यवसाय 1911 से मगाडी सोडा कंपनी के रूप में चल रहा था। यहां से सालाना 3.5 लाख टन से अधिक सोडा ऐश भारत, दक्षिण-पूर्वी एशिया और मध्य पूर्व के देशों में निर्यात की जाती थी, जिसका उपयोग कांच, डिटर्जेंट, रसायनों और जल शोधन में होता है।

विपक्ष ने उठाए राष्ट्रपति की नीयत पर सवाल : इस बीच, केन्या की विपक्षी पार्टी डेमोक्रेसी फॉर द सिटीजन्स पार्टी (डीसीपी) ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। विपक्ष ने इसे राज्य प्रायोजित आर्थिक तोड़फोड़ करार देते हुए आरोप लगाया है कि टाटा केमिकल्स को बंद कराने के पीछे राष्ट्रपति रुटो के अपने निजी व्यापारिक हित जुड़े हो सकते हैं। डीसीपी का दावा है कि मगाडी क्षेत्र के नीचे खरबों शिलिंग मूल्य के लिथियम धातु के विशाल भंडार और तेल की भारी संभावनाएं हैं। विपक्ष का आरोप है कि रुटो टाटा को हटाकर अन्य हितों को बढ़ावा देना चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि इस फैसले से 1 लाख से अधिक लोगों की आजीविका प्रभावित होगी और नैरोबी में पेयजल शोधन के लिए सोडा ऐश की आपूर्ति बाधित हो सकती है। केन्या के खनन कैबिनेट सचिव हसन जोहो ने आरोप लगाया है कि मंत्रालय ने वर्षों तक कंपनी के साथ जुड़ने का प्रयास किया, लेकिन कंपनी ने नियमों का पालन नहीं किया। अब इस पूरे विवाद और खनन कार्यों को दोबारा शुरू करने की संभावना से जुड़ी एक याचिका पर 18 नवंबर को केन्या की हाईकोर्ट में सुनवाई होगी।

पाकिस्तान में सच बोलने पर सिख पत्रकार का करियर तबाह, एंकर हरमीत सिंह को बेबाक कवरेज की मिल रही सजा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सिख पत्रकार और टीवी एंकर हरमीत सिंह ने दावा किया है कि स्वतंत्र और बेबाक पत्रकारिता के कारण उन्हें लगातार निशाना बनाया गया। उनका आरोप है कि पहले उन्हें टीवी स्क्रीन से हटाया गया और बाद में राजनीतिक विश्लेषक के तौर पर अलग-अलग चैनलों पर आने से भी रोक दिया गया। हरमीत ने अपने छोटे मीडिया कार्यालय पर पुलिस कार्रवाई और उपकरण जब्त किए जाने का भी दावा किया है। हरमीत सिंह के मुताबिक, वह पाकिस्तान के सिख समुदाय से मुख्यधारा के मीडिया में पहुंचने वाले शुरुआती पत्रकारों में से एक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर

एक संदेश में कहा कि एक हाशिये पर रहने वाले समुदाय से निकलकर मुख्यधारा की पत्रकारिता तक पहुंचना आसान नहीं था। उनके समुदाय के कुछ लोग उनसे यह सवाल भी करते थे कि वह पत्रकारिता में क्यों बने हुए हैं, कोई दूसरा पेशा या कारोबार क्यों नहीं करते। हरमीत ने दावा किया कि परेशानी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की कवरेज के बाद शुरू हुई। उनके अनुसार, नवंबर 2024 में उनकी कवरेज के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए, जिनमें इस्लामाबाद में स्न्ढ्नऋऔर पेशावर में शुरू की गई जांच भी शामिल है।

उनके अनुसार, मामला अदालत में विचाराधीन है। हरमीत ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके छोटे मीडिया कार्यालय पर छापा मारा और वहां से कंप्यूटर, कैमरे, माइक्रोफोन और अन्य उपकरण जब्त कर लिए। हरमीत सिंह ने अपने ऊपर लगे किसी भी देश-विरोधी या प्रचार से जुड़े आरोप को खारिज किया। उनका कहना है कि उनकी पत्रकारिता का फोकस लोकतंत्र, संविधान की सर्वोच्चता और आम नागरिकों की समस्याओं पर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका नजरिया दूसरों से अलग हो सकता है और शायद यही उनके लिए समस्या बन गया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी पाकिस्तान के खिलाफ काम नहीं किया और न ही अपने देश के खिलाफ किसी तरह के प्रचार में हिस्सा लिया। सिख बुद्धिजीवी अवतार सिंह ने इस मामले पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसी सिख पत्रकार के कार्यालय पर कथित तौर पर छापा मारना और स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता करने के कारण कार्रवाई किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

बांग्लादेश के पीएम तारिक ने जन्माष्टमी की दी बधाई, शेख हसीना को बताया कंस

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने जन्माष्टमी के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर बिना नाम लिए तीखा हमला बोला। उन्होंने बांग्लादेश की पिछली सरकार की तुलना मथुरा के राजा कंस से करते हुए कहा कि कंस जैसा क्रूर शासन करीब डेढ़ दशक तक देश में चला और लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित रखा गया। ढाका में आयोजित जन्माष्टमी समारोह में तारिक रहमान ने हिंदू समुदाय के लोगों और पुजारियों से मुलाकात की। उन्होंने देश और दुनिया भर के हिंदुओं को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में भगवान कृष्ण के जन्म की कथा का उल्लेख करते हुए तारिक रहमान ने कहा कि करीब 5,000 साल पहले मथुरा में अत्याचारी राजा कंस का शासन था। हिंदू मान्यता के अनुसार, भगवान कृष्ण ने कंस का अंत कर बुराई पर अच्छाई की जीत स्थापित की। इसके बाद उन्होंने इसी कथा को बांग्लादेश की राजनीति से जोड़ दिया। तारिक रहमान ने कहा कि बांग्लादेश में भी कंस जैसा शासक डेढ़ दशक तक सत्ता में रहा और लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों से दूर रखा। उन्होंने दावा किया कि अलग-अलग राजनीतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोग एकजुट हुए और उन्होंने कंस जैसे फासीवादी शासन को सत्ता से हटाने के लिए बलिदान दिया। हालांकि, अपने संबोधन में उन्होंने शेख हसीना का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। तारिक रहमान ने कहा कि वह बांग्लादेश और दुनिया भर के सभी हिंदुओं तथा सनातन धर्म को मानने वाले लोगों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कार्यक्रम बांग्लादेश सरकार के धार्मिक मामलों के मंत्रालय और हिंदू धार्मिक कल्याण ट्रस्ट की ओर से आयोजित किया

गया था। कार्यक्रम में तारिक रहमान विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने हिंदू पुजारियों से मुलाकात की और समुदाय के कुछ लोगों को सम्मान राशि भी वितरित की। तारिक रहमान ने दावा किया कि बांग्लादेश अब दोबारा लोकतंत्र की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश के सामने अब अर्थव्यवस्था में सुधार, निष्पक्ष प्रशासन और कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने की चुनौती है। उन्होंने कहा कि अब बांग्लादेश के पुनर्निर्माण का समय है। बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 को बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के बाद शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। इसके बाद वह भारत आ गईं।

उनकी सरकार के पतन के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी। बाद में शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाया गया। हसीना के भारत में रहने और वहां से दिए गए राजनीतिक बयानों के कारण ढाका और नई दिल्ली के संबंधों में भी तनाव देखने को मिला। इसके बाद बांग्लादेश में हुए आम चुनाव में बीएनपी को बहुमत मिला और लंबे समय तक निर्वासन में रहने के बाद तारिक रहमान की सत्ता में वापसी हुई। सत्ता में लौटने के बाद बांग्लादेश की सरकार लगातार भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करती रही है। हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में कई कानूनी मामले भी चल रहे हैं।

चीन में शख्स ने शुरू किया खुजली मिटाने का बिजनेस, हर महीने कमा रहा 14 लाख; मार्केट में भारी डिमांड

बीजिंग, एजेंसी। चीन के एक 32 साल के युवा एंटरप्रेन्योर ने एक बेहद आम सी समस्या को एक अनोखे और कामयाब बिजनेस आइडिया में बदल दिया है। अब लोग अपनी पीठ या शरीर के अन्य हिस्सों की खुजली शांत करने के लिए प्रोफेशनल मदद ले सकते हैं। हुबेई प्रांत के रहने वाले झांग शियाओकियाओ ने शेनझेन शहर में सुमा ब्रांड नाम से इस अनूठी सर्विस की शुरुआत की है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, इस थेरेपी का माहौल बिल्कुल किसी लग्जरी मसाज पार्लर जैसा होता है। यहां ग्राहक आराम से बेड पर लेटते हैं और ट्रेंड स्टाफ उनके शरीर को सहलाता है। इसके लिए प्रशिक्षित स्टाफ खास तौर पर डिजाइन किए गए नुकीले नाखूनों का इस्तेमाल करके उनके शरीर के अलग-अलग हिस्सों को धीरे-धीरे खुजलाते हैं।

प्रति घंटे मोटी रकम खर्च कर रहे लोग : इस अनोखी सर्विस की कीमत लगभग 4,200 रुपये प्रति घंटा है। इसे केवल खुजली मिटाने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे आराम करने, तनाव कम करने और बेहतर नींद के एक तरीके के तौर पर प्रमोट किया जा रहा है।

ग्राहक अपनी सुविधानुसार स्टाफ को भी बता सकते हैं कि शरीर के किस हिस्से में ज्यादा खुजली हो रही है, ताकि वे उन जगहों पर अधिक ध्यान दे सकें। कई बार इस एहसास से ग्राहकों को गुदगुदी भी होती है और वे हंसने लगते हैं। झांग बताते हैं कि बड़े शहरों में लोग अक्सर बहुत ज्यादा तनाव महसूस करते हैं। इसी वजह से इस सर्विस की मांग तेजी से बढ़ रही है।

14 लाख रुपये महीने की कमाई : झांग ने मई में शेनझेन के बाओआन जिले में अपना पहला आउटलेट खोला था और सफलता को देखते हुए एक महीने बाद फुटियान जिले में दूसरी ब्रांच भी खोल दी। खबरों के मुताबिक, दोनों स्टोर मिलकर हर महीने करीब 14 लाख रुपये की कुल कमाई कर रहे हैं और ब्रेक-ईवन पॉइंट तक पहुंच चुके हैं।

झांग ने आगे बताया कि हम पुरुष और महिला, दोनों तरह के ग्राहकों को सर्विस देते हैं, जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत पुरुष हैं।

कुछ ग्राहकों का मानना है कि हमारी सर्विस पारंपरिक मसाज से भी ज्यादा आरामदायक है। इसी वजह से हमारे पास बार-बार आने वाले नियमित ग्राहकों का एक मजबूत आधार बन गया है।

कहां से मिला आइडिया : यह अनोखा आइडिया सोशल मीडिया और बचपन की यादों के दिलचस्प मेल से पैदा हुआ। पिछले साल, झांग ने इंटरनेट पर एक छोटा सा वीडियो देखा जिसमें एक महिला अपने पति की पीठ खुजला रही थी। वीडियो पर आए कमेंट्स ने उनका ध्यान खींचा, कई लोगों ने लिखा था कि वे अपनी खुजली मिटाने के लिए किसी को खुशी-खुशी पैसे देने को तैयार हैं। इस घटना ने झांग को उनके बचपन की याद दिला दी, जब उनके पिता अक्सर उन्हें सुलाने के लिए प्यार से उनकी पीठ खुजलाया करते थे। इसी के बाद उन्होंने सोचा कि क्या आराम देने वाले इस साधारण से काम को एक पेशेवर सर्विस में बदला जा सकता है।

खुद डेवलप किया खुजलाने का तरीका : चूंकि चीन में पेशेवर तौर पर खुजली मिटाने वाले बिजनेस का कोई स्थापित उदाहरण नहीं था, इसलिए झांग को सर्विस खुद ही डिजाइन करनी पड़ी। उन्होंने अलग-अलग तरीकों का परीक्षण किया और यह पता लगाया कि ग्राहकों के लिए इस अनुभव को सबसे ज्यादा आरामदायक कैसे बनाया जा सकता है। यह स्टार्टअप झांग के पिछले करियर से बिल्कुल अलग है। ग्रेजुएशन के बाद, उन्होंने एक साल में सात अलग-अलग नौकरियां की थीं। बाद में सोशल मीडिया इंडस्ट्री में आने से पहले उन्होंने दो क्रॉस-बॉर्डर ई-कॉमर्स कंपनियाँ भी शुरू की थीं, लेकिन उन्हें वैसी कामयाबी नहीं मिली जैसी उम्मीद थी।

100 आउटलेट खोलने का लक्ष्य : अब उनका यह अनोखा आइडिया लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। ऑनलाइन भी इस बिजनेस ने उत्सुकता पैदा की है और लोग मजाक में इस बात पर बहस कर रहे हैं कि क्या प्रोफेशनल खुजली मिटाना सच में एक मान्यता प्राप्त पेशा बन सकता है। आने वाले समय में पूरे चीन में सुमा के 100 आउटलेट खोलेंगे और इस अनोखे काम को एक व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त सर्विस प्रोफेशन में बदल देंगे।

पेंग्विन इंडिया की आनाकानी और बहानेबाजी के पीछे सत्ता का खौफ

-सोनिया गांधी की किताब के प्रकाशन पर पूर्व सीएम गहलोत ने केंद्र पर साधा निशाना

जयपुर, एजेंसी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी के संस्मरण (मेमॉयर) बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव के प्रकाशन को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने शुक्रवार को प्रकाशक पेंग्विन इंडिया के पीछे हटने को लेकर सीधे तौर पर केंद्र सरकार और पीएमओ को कठघरे में खड़ा किया। गहलोत ने दो टूक कहा कि प्रकाशक की आनाकानी और बहानेबाजी के पीछे सत्ता का खौफ है, लेकिन दुनिया की कोई भी ताकत इस सच को सामने आने से नहीं रोक सकती है। उन्होंने विश्वास जताया कि तय तारीख यानी 10 नवंबर 2026 को ही यह पुस्तक दुनिया के सामने आएगी। दुनिया में छप सकती है तो भारत में क्यों नहीं? पेंग्विन की खुली पोल अशोक गहलोत ने प्रकाशक की भूमिका और सरकारी हस्तक्षेप पर सवाल उठाते हुए कहा।

गहलोत ने कहा कि पेंग्विन की मूल अंतरराष्ट्रीय संस्था इस किताब को मूल स्वरूप में पूरे विश्व में प्रकाशित करने को तैयार है। जब दुनिया भर के पाठक इसे पढ़ सकते हैं, तो भारत के पाठकों से इसे क्यों छिपाया जा रहा है? इस विरोधाभास ने पेंग्विन इंडिया की पूरी पोल खोलकर रख दी है। पूर्व सीएम ने तर्क दिया कि पीएमओ और सरकार पर लगातार गंभीर आरोप लग रहे हैं कि वे पीएम मोदी, आरएसएस और चीन से जुड़े अंशों को हटाने का दबाव बना रहे थे। इसके बावजूद सरकार की ओर से एक शब्द का भी खंडन न आना यह साबित करता है कि मौन रहकर इन आरोपों को स्वीकार कर लिया गया है।

सोनिया गांधी की राजनीतिक विरासत का उल्लेख करते हुए, गहलोत ने कहा कि वे कोई सामान्य हस्ती नहीं हैं। वे देश की नेता प्रतिपक्ष रही हैं और 22 सालों से ज्यादा समय तक कांग्रेस की अध्यक्ष रहकर उन्होंने भारतीय राजनीति को दिशा दी है। उनके लंबे सार्वजनिक जीवन और अनुभवों को सेंसर करने का प्रयास अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार है। गहलोत ने खुलासा किया कि जैसे ही यह बात सार्वजनिक हुई कि पेंग्विन इंडिया ने पांडुलिपि छापने से हाथ पीछे खींच लिए हैं, देश-दुनिया के कई प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थानों ने इसे छापने के लिए हाथ आगे बढ़ा दिए हैं। गहलोत ने पूर्ण विश्वास जताया कि नया प्रकाशक सामने आएगा, किताब अपने तय मानकों के साथ छपेगी और घोषित तिथि 10 नवंबर को ही इसका विमोचन होगा।

ओडिशा में बाढ़ का कहर थमा, 2 लाख लोग अब भी प्रभावित

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में विनाशकारी बाढ़ से राहत की खबर है। शुक्रवार को राज्य में बाढ़ की स्थिति में व्यापक सुधार देखा गया, जहां सभी प्रमुख नदियों का जलस्तर तेजी से घट रहा है। हालांकि, बालासोर और जाजपुर जिलों के 303 गांवों में लगभग दो लाख लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। सामान्य जनजीवन पटरी पर लाने के लिए युद्धस्तर पर राहत और बचाव अभियान जारी हैं। राजस्व विभाग के अनुसार, बालासोर जिले के 241 गांवों में 1,90,974 लोग और जाजपुर जिले के 62 गांवों में 7,745 लोग अभी भी बाढ़ की चपेट में हैं। मयूरभंज, क्योंझर, केंद्रपाड़ा और भद्रक समेत अन्य जिलों में भी नावों के जरिए राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और अग्निशमन सेवा की कुल 28 टीमें तैनात हैं। बालासोर में 111 और जाजपुर में 22 राहत शिविर संचालित हैं, जहां बालासोर से 16,582 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। जल संसाधन विभाग ने पुष्टि की कि किसी भी प्रमुख नदी में अब बाढ़ की स्थिति नहीं है; सुवर्णरेखा नदी भी खतरे के निशान से नीचे बह रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 8 सितंबर तक ओडिशा के लिए कोई विशेष बारिश की चेतावनी जारी नहीं की है।

मुंबई एचसी का बड़ा आदेश : सीवर में मौत पर 30 लाख मुआवजा दे सरकार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई उच्च न्यायालय ने सिर पर मैला ढोने की अमानवीय प्रथा पर महाराष्ट्र सरकार की एक नीति रद्द करते हुए कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने खतरनाक सफाई कार्य में मारे गए श्रमिकों के परिजनों को मुआवजा देने की जिम्मेदारी निजी नियोक्ताओं पर डालने वाली नीति को असंवैधानिक करार दिया। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और मंजुषा देशपांडे की खंडपीठ ने राज्य सरकार को ऐसे मृत श्रमिकों के आश्रितों को तत्काल 30 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया। सरकार बाद में यह राशि संबंधित निजी संस्थाओं से वसूल सकती है। न्यायालय ने राज्य को छह महीने के भीतर खतरनाक सफाई कार्य (2013 अधिनियम के तहत परिभाषित) के दौरान मरने वाले सभी लोगों की पहचान करने का भी निर्देश दिया है।अदालत ने गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा, हम चंद्रमा तक पहुंचने का दावा करते हैं, लेकिन हमारे देश में जाति व्यवस्था का सामाजिक कलंक अब भी कायम है, जो कुछ नागरिकों को मानवीय गरिमा से नीचे का काम करने को मजबूर करता है। न्यायालय ने अफसोस जताया कि संविधान अपनाने के 75 साल बाद भी देश इस सामाजिक बुराई से मुक्त नहीं हो पाया है।

बडगाम में छिपे हैं 2 आतंकी, सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों ने घेरा इलाका

जम्मू (एजेंसी)। बडगाम के यूसमर्ग क्षेत्र में 2 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। जानकारी के मुताबिक सुरक्षाबलों को आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी जिसके बाद मौके पर पहुंचकर सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान आतंकियों और सुरक्षाबलों में मुठभेड़ शुरू हो गई और दोनों ओर से गोलीबारी हुई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके को पूरी तरह से घेर लिया और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार यूसमर्ग क्षेत्र में 2 आतंकियों के छिपे होने की आशंका जताई जा रही है कि दोनों आतंकी पाकिस्तान से संबंधित हैं। फिलहाल सुरक्षाबल मौके पर मौजूद हैं और अलर्ट पर हैं। पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया है और सर्च ऑपरेशन जारी है।

बेंगलुरु में कर्ज न चुकाने पर महिला का निर्वस्त्र वीडियो बनाया

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्ज और ब्याज न चुकाने के विवाद को लेकर बेंगलुरु में एक महिला के साथ हैवानियत का बेहद चौंकाने वाला और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। घटना के विवरण सुनकर किसी की भी रूह कांप सकती है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित महिला ने लगभग दो साल पहले रेशमा बानू से एक लाख रुपये उधार लिए थे, और बाद में रेशमा के जरिए नाजत नामक व्यक्ति से पचास हजार रुपये और लिए। शुरुआत में महिला नियमित रूप से किस्त और ब्याज का भुगतान करती रही, लेकिन उसकी आर्थिक स्थिति खराब होने के बाद यह भुगतान रुक गया। बताया गया है कि करीब छह महीने से ब्याज नहीं दिया गया था, और पिछले दो महीने से किस्त भी नहीं चुकाई गई थी। जब महिला ने रेशमा का नंबर ब्लॉक कर दिया और अपनी मां के घर चली गई, तो मामले ने एक खतरनाक और आपराधिक मोड़ ले लिया। आरोप है कि महिला को काम दिलाने के बहाने एक विशेष स्थान पर बुलाया गया, जहाँ पहले से ही रेशमा बानू, उसका पति सुहैल और नाजत मौजूद थे। पुलिस के दावे के अनुसार, वहाँ महिला के साथ बेरहमी से मारपीट की गई और उस पर कथित तौर पर चाकू से भी हमला किया गया। इसके बाद, उसे जबरन एक ऑटो रिक्शा में बैठाया गया और कुंबलगोडु के पास एक घर में ले जाया गया। वहाँ उसे कथित तौर पर बंधक बनाकर रखा गया और उसके साथ फिर से मारपीट की गई। मामले का सबसे वीभत्स और जघन्य पहलू यह है कि महिला को निर्वस्त्र कर उसका वीडियो बनाया गया और उसे धमकाया गया कि यदि उसने कर्ज की रकम और ब्याज नहीं चुकाया तो उस वीडियो को वायरल कर दिया जाएगा। इस जघन्य घटना का खुलासा तब हुआ जब महिला अचानक लापता हो गई।

आए दिन मस्जिदों को अवैध बताकर उनको ध्वस्त करना ठीक नहीं : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। सहारनपुर कलेक्ट्रेट में बनी मस्जिद को भारी संख्या में तैनात पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई जिला अदालत के फैसले के बाद की गई है। वहीं कैराना की सांसद इकरा हसन को उनके घर पर पुलिस ने नजरबंद कर दिया है। इस घटनाक्रम पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा- ज़िला सहारनपुर की मस्जिद समेत पूरे उत्तर प्रदेश में आए दिन मस्जिदों को काफी आपाधापी में अवैध बताकर उनको ध्वस्त करने का जो सरकारी अभियान चलाया जा रहा है वह ठीक नहीं है और सरकार को ऐसे निगेटिव हालात से बचने के लिए इस पर तुरन्त रोक लगाकर इसके समाधान के उपाय करने चाहिए।

उन्होंने कहा कि वैसे भी एक संवैधानिक सेक्युलर सरकार द्वारा सभी धर्मों के मानने वालों एवं उनके धार्मिक स्थलों आदि का समान आदर-सम्मान और उनकी सुरक्षा करने का उत्तरदायित्व होता है। इस्लाम मज़हब में मस्जिदें हर दिन इबादत बल्कि दिन में कई बार जमात के साथ नमाज़ पढ़ने का मुख्य और अभिन्न अंग हैं, जिसको ध्यान में रखकर व भारतीय परम्परा के मुताबिक सम्मान देना देश व व्यापक जनहित में ज़रूरी है। इसके साथ ही, बिना नियम-क़ानून का समुचित अनुपालन किए किसी भी अभियुक्त का मकान ध्वस्त करके उसके पूरे परिवार को सामूहिक तौर पर सज़ा देकर बेघर कर देने की कार्रवाईयों से भी लोग काफी विचलित हैं। ऐसे में बसपा सरकार की तरह का 'क़ानून द्वारा क़ानून का राज' का व्यवहार ज़रूरी है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश जारी, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

-एयरपोर्ट पर पानी भर जाने से उड़ानों का संचालन प्रभावित, यात्री हुए परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और एनसीआर में शनिवार को लगातार दूसरे दिन मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहा है। इससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ और भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पूरे दिल्ली-एनसीआर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने शनिवार दिन भर गरज के साथ भारी बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार को मौसम में सुधार होने की संभावना है और 8 सितंबर तक इस इलाके में मौसम सूखा रहेगा।

शुक्रवार को दिल्ली में भारी बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में जलभराव हो गया और ट्रैफिक व्यवस्था बाधित हुई। दिल्ली और गुरुग्राम के कई हिस्सों में खासकर कनॉट प्लेस, लुटियंस दिल्ली, साइबर सिटी कमर्शियल हब, शंकर चौक और शीतला माता रोड जैसी प्रमुख जगहों पर ट्रैफिक जाम रहा। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पानी भर जाने से उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ, जिससे कई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

दिल्ली एयरपोर्ट ने कहा कि भारी बारिश हुई, जिसके कारण अप्रोच रोड और फोरकोर्ट वाले इलाकों में पानी जमा हो गया। जमा पानी को कुछ समय में हटा दिया गया। खराब मौसम का असर उड़ानों के संचालन पर भी पड़ा, जिससे कुछ उड़ानें देरी से चलीं और कुछ को डायवर्ट करना पड़ा। बारिश के बाद दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक में भी सुधार हुआ। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक शुक्रवार को एक्यूआई 71 दर्ज किया गया। जो संतोषजनक श्रेणी में आता है।

छात्रों पर लाठीचार्ज गलत: सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक विरोध प्रदर्शन के दौरान जुटे युवाओं पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश ने गहरी निराशा व्यक्त की है। न्यायाधीश उज्जल भुइयां ने पुलिस द्वारा किया गया लाठीचार्ज को बेहद परेशान करने वाली घटना करार दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि छात्र अपने अलग विचार रखते हैं, तो उनके खिलाफ दंडात्मक रवैया नहीं अपनाया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति भुइयां ने इस बात पर जोर दिया कि प्रदर्शन कर रहे लोगों पर इस तरह से अत्याचार करना बहुत ही निराशाजनक है और यह एक सभ्य समाज में अस्वीकार्य है। उन्होंने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस अधिकारियों से जिस निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है, वह पूरी तरह से गायब नजर आ रही है। न्यायाधीश भुइयां ने पुलिस को आम लोगों का भरोसा बनाए रखने की नसीहत देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है कि जिन पीड़ितों के मानवाधिकार का उल्लंघन किया गया है, उन्हें उसका

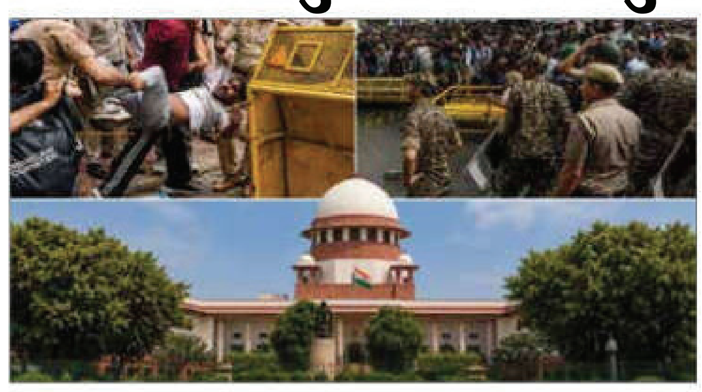

मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस को चाहिए कि वह बिना ज्यादा बल प्रयोग किए कानून व्यवस्था बनाए रखे। उन्होंने आगे कहा कि आम लोगों के लिए एक वर्दीधारी पुलिस वाले की पहचान सरकार से प्राप्त ताकत और अधिकारों के रूप में होती है। यदि किसी को कोई परेशानी होती है, तो वह पुलिस से मदद मांगता है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि पुलिस अपनी विश्वसनीयता बनाए रखे, जिससे लोग उस पर भरोसा कर सकें और न्याय की उम्मीद कर सकें।

न्यायाधीश भुइयां ने आगाह किया कि जब सरकार के अधिकारी ही कानून तोड़ने वाले बन जाते हैं, तो इससे अराजकता को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार के अधिकारी ही कानून तोड़ने लगें, तो इससे कानून के प्रति अनादर पैदा होगा और समाज में अव्यवस्था फैलेगी। कोई भी सभ्य देश ऐसी स्थिति को स्वीकार नहीं कर सकता, जहां कानून के रक्षक ही उसका उल्लंघन करने लगें। न्यायाधीश भुइयां ये महत्वपूर्ण टिप्पणियां पूर्व सचिव (सुरक्षा) यशोवर्धन आजाद की लिखी पुस्तक के विमोचन समारोह में बोल रहे थे, जो राजधानी के वायसराय हॉल में आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, जब हम इंडियन पुलिस सर्विस के युवा अधिकारियों को खुद जाकर प्रदर्शनकारियों और प्रदर्शन करने वालों के साथ मारपीट करते देखते हैं, तो हम सभी को निराशा होती है। यह पहली बार नहीं है जब न्यायपालिका ने छात्रों के अधिकारों और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। छात्रों के विचारों को लेकर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने भी खुलकर कहा था कि उन्हें किसी भी बात का विरोध करने का पूरा अधिकार है। जब भारतीय बार काउंसिल (बीसीआई) ने हैदराबाद के एक लॉ इंस्टीट्यूट के छात्रों के रजिस्ट्रेशन को बैन करने की बात कही, तो मुख्य न्यायाधीश ने फटकार लगाते हुए कहा था कि छात्रों और उनके विचारों के बीच किसी को नहीं आना चाहिए। ये न्यायिक टिप्पणियां लोकतंत्र में विरोध के अधिकार और पुलिस की जवाबदेही के महत्व को रेखांकित करती हैं।

जिला स्तरीय रंगोत्सव में विद्यार्थियों ने बिखेरे कला एवं संस्कृति के रंग

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 03 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा द्वारा विद्यार्थियों में निहित कला, संस्कृति एवं रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय रंगोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम ऑडिटोरियम हॉल डोकमर्डी में किया गया। इस अवसर पर संघ प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंगोत्सव कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को लोकनृत्य, नाटक, कथा-कथन, नृत्य, लोकगीत एवं कहानी सुनाने जैसी विभिन्न कला विधाओं में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में कुल पाँच विषयों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें अमृत काल का भारत, स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत, उड़ान-सपनों को पंख, युवा धन-विकसित भारत का उज्ज्वल भविष्य तथा भारत की संस्कृति-

विविधता में एकता विषय शामिल थे। इन पाँचों विषयों पर प्रदेश के कुल 22 क्लस्टरों द्वारा विभिन्न कला विधाओं में 22 उत्कृष्ट प्रस्तुतियां दी गईं। प्रतियोगिता के परिणामों में उड़ान-सपनों को पंख थीम में पीएस उमरकुई फलांडी क्लस्टर ने प्रथम तथा सीपीएस सिलवासा गुजराती माध्यम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अमृत काल का भारत थीम में सीपीएस नरोली गुजराती माध्यम प्रथम तथा सीपीएस करचौंड द्वितीय स्थान पर रहा। इसी प्रकार भारत की संस्कृति-विविधता में एकता थीम में सीपीएस नरोली अंग्रेजी माध्यम ने प्रथम एवं सीपीएस खरड़पाड़ा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत थीम में पीएस खोरीपाड़ा प्रथम एवं पीएस गोराटपाड़ा द्वितीय स्थान पर रहा। वहीं युवा धन-विकसित भारत का उज्ज्वल भविष्य थीम में पीएस कपारियापाड़ा ने प्रथम तथा सीपीएस सिलवासा एमएम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहायक राज्य परियोजना निदेशक परितोष शुक्ला ने कहा कि आज अपनी कला का प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी भविष्य में हमारी समृद्ध कला एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मंच विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को निखारने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। रंगोत्सव जैसे कार्यक्रमों से प्राप्त अनुभव भविष्य में विद्यार्थियों को कला उत्सव एवं अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की विद्यालयों से आए विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई उत्कृष्ट एवं प्रभावशाली प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में अपार प्रतिभा छिपी हुई है। सभी शिक्षकों से आग्रह किया गया कि वे विद्यालय स्तर पर प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा को पहचानने एवं उसे प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करें। जिला स्तरीय रंगोत्सव कार्यक्रम शिक्षा सचिव अरुण टी. एवं शिक्षा निदेशक मेडम महिमा तोमर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक शिक्षा निदेशक परितोष शुक्ला, सहायक शिक्षा निदेशक (एचओ) दिलावर मंसूरी, एएसपीडी डॉ. सतीश पटेल, शिक्षा अधिकारी राजेंद्र मोहिले, जिला पंचायत शिक्षा अधिकारी दौलतसिंह सोलंकी एवं बीआरसी ए. एस. वोहरा तथा मनोज पटेल का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा। समग्र शिक्षा विभाग के सभी बीआरपी, सीआरसी तथा कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास से जिला स्तरीय रंगोत्सव कार्यक्रम सफलतापूर्वक एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस रंगोत्सव ने विद्यार्थियों को अपनी कला, संस्कृति और रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान किया तथा कार्यक्रम में प्रस्तुत विविध रंगों ने विविधता में एकता की भारतीय संस्कृति को जीवंत कर दिया।

(पेज 1 का शेष समाचार)

दमण की प्राथमिक शिक्षिका पूर्णिमा मोहनलाल...

वेस्ट में से बेस्ट टीएलएम में छात्रों की भागीदारी, इंटरनेट, ई-कन्टेन्ट जैसे विभिन्न माध्यमों से पढ़ाई में रुचि बढ़ाकर छात्रों के सर्वांगी विकास के लिए हमेशा प्रयास करती रही है। सामाजिक विज्ञान विषय में और एफएलएन में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में कार्य करने, बालवाटिका के शिक्षकों को ट्रेनिंग देने, कोरोना काल में ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षा देने जैसी विभिन्न शैक्षणिक गतिविद्धियाँ करती रही है। शिक्षा विभाग के कार्य के अलावा अन्य सरकारी विभाग द्वारा दिये गए कार्यों को भी पूरी प्रामाणिकता से निभाती है, जिसके चलते कैशलेस कैंपेन के तहत दिसंबर 2016 में दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के हस्तक प्रशंसा पत्र से सम्मानित हुई। स्वच्छ भारत अभियान के तहत विश्व शौचालय दिन प्रतियोगिता 2018 निबंध प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। खेल-कूद में प्रेक्टिस करवाने और हर माह आनेवाले कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए छात्रों में रूचि बढ़ाई। हिन्दी पखवाड़ा, स्वच्छता पखवाड़ा, पोषण पखवाड़ा, मॉनसून मस्ती जैसे विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों को मार्गदर्शन देते हुए बच्चों को पुरस्कृत करवाया एवं स्वयं भाग लेते हुए कई पुरस्कार प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय मतदान में बीएलओ का कार्य, स्वास्थ्य कार्यक्रम ,फाइलेरिया ड्यूटी, नशामुक्त और स्वच्छ भारत अभियान , राष्ट्रीय डी वॉर्मिंग डे, पीएम पोषण से संबंधित कार्य, शाला प्रवेशोत्सव, विदाई समारोह में या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मार्गदर्शन, संचालन, एंकरिंग (उद्घोषक) और कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाती रही है। इस तरह शैक्षणिक, खेलकूद, सामाजिक, संस्कृतिक ऐसे सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति के हाथों 50000 रुपये का नकद पुरस्कार, सिल्वर मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

रक्षाबंधन के दिन समुद्र में लापता हुए दीव के मछुआरा का अब तक नहीं मिला सुराग

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 5 सितंबर। दीव के वाणीया वाड़ी-साउदवाड़ी क्षेत्र का 31 वर्षीय मछुआरा समुद्र में मछली पकड़ने के दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। रक्षाबंधन के दिन हुई इस घटना के बाद से परिवार लगातार उसकी तलाश में जुटा है, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। जानकारी के अनुसार वाणीया वाड़ी-साउदवाड़ी निवासी जेंतीलाल मेगी (उम्र 31 वर्ष) मछली पकड़ने वाली नाव रमेश्वरी (नं. IND DD 02 MM 1859) पर सवार था। यह नाव हरिश मेघजी की बताई जा रही है। बताया गया है कि 28 अगस्त को नाव मछली पकड़ने के बाद वापस लौट रही थी और वणकबारा से करीब 50 किमी दूर समुद्र में थी। इसी दौरान नाव पर मौजूद अन्य मछुआरों ने जेंतीलाल मेगी को तलाश किया, लेकिन वह नाव में नहीं मिला। नाव में जेंतीलाल के नहीं मिलने के बाद अन्य मछुआरों ने उसकी आसपास तलाश की। घटना की जानकारी उसके परिवार और पुलिस को दी गई। इसके बाद जेंतीलाल की खोजबीन शुरू की गई, लेकिन अब तक उसकी कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। जेंतीलाल के अचानक लापता होने से परिवार बेहद चिंतित और परेशान है।

परिजनों द्वारा समुद्र में मछली पकड़ने वाली अन्य नौकाओं के मछुआरों तथा आम लोगों से भी अपील की गई है कि यदि जेंतीलाल मेगी के संबंध में किसी को कोई जानकारी मिले तो तत्काल परिवार को सूचित करें। परिवार ने संपर्क के लिए मोबाइल न- 798494105 जारी किया है। इस संबंध में दीव जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट पर पुलिस के लिए 100 और बचाव एवं राहत के लिए 1070 हेल्पलाइन नंबर भी उपलब्ध कराए गए हैं।

'रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं'

युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने शुक्रवार को अपने अभिषेक शर्मा को उनके 26वें जन्मदिन पर खास शुभकामनाएं दीं। अभिषेक शर्मा को एक विस्फोटक बल्लेबाज बनाने में युवराज सिंह का मार्गदर्शक के रूप में अहम योगदान रहा है। युवराज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए अभिषेक को जन्मदिन की बधाई दी। युवराज ने लिखा, 'सर अभिषेक, यह आपका जन्मदिन है। कितना शुभ दिन है। आप जैसे बन गए हैं, उससे प्यार करें - अपने आस-पास के लोगों के साथ शेयरिंग और केयरिंग, और एक लीडर। हमेशा अपनी नाकामियों से सीखते हैं और हर बार और ज्यादा मेहनत करने को तैयार रहते हैं। आपको रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं। हमेशा ढेर सारा प्यार।' वीडियो में युवराज और अभिषेक से रैश शॉट न खेलने के लिए कहते और उसकी गलतियों के लिए उससे सिट-अप करवाते हुए देखे जा सकते हैं। युवराज को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'बोल मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। अभिषेक सिट-अप्स में कान पकड़ते हैं और कहते हैं कि मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा।' वीडियो में दोनों के बीच करीबी रिश्ते को भी दिखाया गया है, जिसमें युवराज के कुछ हल्के-फुल्के मजाक भी हैं। इसमें युवराज, अभिषेक और संजू सैमसन को स्टैंड से विंबलडन इवेंट में शामिल होते हुए भी दिखाया गया है। साझा वीडियो में युवराज ने अभिषेक से पूछा, 'आपको क्या चाहिए?' अभिषेक ने कहा, 'आपका आशीर्वाद,' इस पर युवराज ने कहा, 'हमेशा।'

बेन शेल्टन ने शापोवालोव को और टियाफो ने वचेरोट को हराकर

चौथे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क । बेन शेल्टन ने डेनिस शापोवालोव को 3 घंटे 22 मिनट तक चले मुकाबले में हराकर यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के चौथे राउंड में जगह बना ली है। शेल्टन ने शापोवालोव को 7-6(3), 6-7(5), 6-2, 6-4 से हराया।23 साल के अमेरिकी खिलाड़ी दूसरे सेट में दो बार सर्व नहीं कर पाए, जिससे शापोवालोव को वापसी करने का मौका मिला और फिर टाईब्रेक जीतकर मैच बराबर कर दिया। इस हार से शेल्टन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। उन्होंने तीसरे सेट में और ज्यादा आक्रामक तरीके से वापसी की और कनाडाई खिलाड़ी का स्तर गिरते ही फायदा उठाया। एक तेज रिटर्न विनर ने लाइन को पार करते हुए शेल्टन को चौथे राउंड की शुरुआत में ही ब्रेक करने में मदद की, और उन्होंने मुकाबला खत्म करने तक अपनी बढ़त बनाए रखी। इस जीत ने लेक्सस एटीपी हेड टू हेड राइवलरी में शापोवालोव पर शेल्टन के दबदबे को 5-0 कर दिया। उन्हें चौथे राउंड में स्टेफानोस सिटसिपास के साथ मुकाबला मिला है।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ने 18वीं सीड जिरी लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6(3), 6-1 से हराकर अपनी वापसी की। दो बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट सिटसिपास ने पहले 10वीं सीड आर्थर फिल्स को हराया था और अब वह टूर्नामेंट में नौ बार खेलने के बाद पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

टियाफो ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में लाइट्स के नीचे 1 घंटे 59 मिनट में वैलेंटिन वचेरोट को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। 11वें सीड खिलाड़ी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, सिर्फ 13 अनफोर्स्ड गलतियों के मुकाबले 30 विनर लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 85 प्रतिशत जीता। इस नतीजे के साथ वह यूएस ओपन के चौथे राउंड में छठी बार पहुंचे। सीजन की यह उनकी 40वीं टूर-लेवल जीत थी। टियाफो अब अलेक्जेंडर ज्वेरेव और जैनिक सिनर के साथ 2026 में कम से कम 40 टूर-लेवल जीत वाले अकेले खिलाड़ी बन गए हैं। टियाफो का अगले दौर में सामना मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

सीपीएल 2026: दासुन शनाका का ऐतिहासिक शतक

सेंट किट्स ने सेंट लूसिया को 137 रन से हराया

वार्नर पार्क । कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 25वें मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाज दासुन शनाका ने इतिहास रच दिया। सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की तरफ से खेलते हुए शनाका ने लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया। शनाका की शतकीय पारी की बदौलत सेंट किट्स ने सेंट लूसिया किंग्स को 137 रन के विशाल अंतर से हराया। सेंट लूसिया किंग्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट किट्स की तरफ से पारी की शुरुआत जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने की। शुरुआत अच्छी नहीं रही और मायर्स मात्र 1 रन बनाकर 8 के स्कोर पर पहले विकेट के रूप में आउट हुए। चार्ल्स और फ्लेचर ने दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों पर 81 रन की साझेदारी की। चार्ल्स 23 गेंदों पर 26 रन बनाकर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद दासुन शनाका चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए।

श्री चरणी ने दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ा

खतरे में पूनम यादव का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। लगातार 2 मैच जीतकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ एक और मैच खेलना है। गुरुवार को भारतीय टीम ने हांगकांग को 137 रनों से हराया। इस मैच में स्मृति मंधाना के विस्फोटक शतक के साथ ही श्री चरणी ने भी अपनी गेंदबाजी के खास उपलब्धि हासिल की। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 193 रन बनाए थे। हांगकांग 16.2 ओवर में 56 रन पर सिमट गई और 137 रन से हार गई। हांगकांग को 56 पर समेटने में श्री चरणी का अहम योगदान रहा। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 3.2 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट लिए, जबकि नंदिनी शर्मा और प्रेमा रावत को भी 2-2 विकेट लिए।

श्री चरणी ने 2 विकेट लेकर एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने के वाले भारतीय गेंदबाजों की सूची में दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ दिया। चरणी ने 2026 में अब तक 31 टी20 विकेट लिए है। दीप्ति शर्मा ने 2024 में 30 और 2022 में 29 विकेट लिए थे।

एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने का महिला भारतीय रिकॉर्ड पूनम यादव के नाम है। पूनम ने 2018 में 35 विकेट लिए थे। श्री चरणी के पास इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का भरपूर अवसर है। पूरी संभावना है कि जारी एशिया कप में ही चरणी एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाली भारतीय महिला गेंदबाज होने का भारतीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगी। हांगकांग के खिलाफ हुए इस मैच का मुख्य आकर्षण स्मृति मंधाना की शतकीय पारी रही। मंधाना ने 64 गेंदों पर 7 छक्कों और 14 चौकों की मदद से 124 रन की पारी खेली। मंधाना का टी20 क्रिकेट का यह दूसरा और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 18वां शतक था। मंधाना अब महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं।

बीसीसीआई ने किया ऐलान: पहली बार भारत और जापान के बीच खेला जाएगा टी20 मुकाबला

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर इस महीने के आखिर में दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इस बात की घोषणा की है। 'सुजुकी कप' नाम का यह मैच 22 सितंबर को तोचिगी प्रान्त के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। यह मैच 'स्पोर्ट 75' नाम की एक बड़ी द्विपक्षीय पहल की शुरुआत करने वाला मुख्य कार्यक्रम है। यह पहल जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शिखर सम्मेलन में हुए समझौते से शुरू हुई थी, जिसका मकसद खेलों के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है। शुक्रवार को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, 'बीसीसीआई इस ऐतिहासिक मौके का हिस्सा बनकर खुश है, क्योंकि भारत और जापान की पुरुष टीमें जापान में एक खास टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए एक साथ आ रही हैं। यह क्रिकेट के लिए एक अहम पल है, क्योंकि इससे भारतीय टीम एक नई जगह पर जा रही है और जापान व पूर्वी एशिया में ज्यादा लोगों तक खेल को पहुंचाने का मौका मिल रहा है।'

उन्होंने आगे कहा, 'भारत और जापान के बीच मजबूत रिश्ते और लंबे समय से चली आ रही दोस्ती है। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के 75 साल पूरे होने के जश्न में क्रिकेट भी शामिल होगा। हम इस मैच को मुमकिन बनाने की कोशिशों के लिए जापान क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीए) का शुक्रिया अदा करते हैं।'

सैकिया ने आगे कहा कि भारतीय बोर्ड गैर-पारंपरिक इलाकों में खेल के विस्तार की कोशिशों में मदद करने की अपनी जिम्मेदारी को समझता है। उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई का मानना ??है कि क्रिकेट का विकास इसके पारंपरिक इलाकों से आगे बढ़ना चाहिए, और दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के तौर पर हम उस विकास में योगदान देने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। बीसीसीआई, जापान में क्रिकेट को और मजबूत करने और आने वाले वर्षों में इस रिश्ते को और आगे बढ़ाने के लिए जेसीए के साथ मिलकर काम करेगा।'

फैन्स की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए आयोजक सानो वेन्यू की क्षमता को आमतौर पर 500 दर्शकों से बढ़ाकर 2,000 करने की योजना बना रहे हैं। जल्द ही आधिकारिक तौर पर टिकटों की बिक्री शुरू होने की उम्मीद है। भारतीय पुरुष टीम 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक एशियन गेम्स के पुरुष इवेंट में खेलने के लिए जापान आ रही है।

जापान क्रिकेट एसोसिएशन के चीफ एग्जीक्यूटिव नाओकी मियाजी ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस के आने को स्थानीय स्तर पर इस खेल के लिए एक बड़ा बदलाव बताया। 'मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस को जापान में क्रिकेट के लिए घर में बुलाना हमारी एसोसिएशन के लिए एक यादगार पल है।

10,000 रन की लिस्ट में 3-4 और भारतीय खिलाड़ियों को देखना चाहती हूं: स्मृति

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने दुबई में टी20 फॉर्मेट में खेले जा रहे महिला एशिया कप में गुरुवार को हांगकांग के खिलाफ खेले गए मैच में 64 गेंदों पर 124 रनों की पारी खेली। अंतरराष्ट्रीय टी20 में मंधाना का यह दूसरा और ओवरऑल 18वां शतक था। मंधाना अब अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक और सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। स्मृति मंधाना का भारत में महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में बड़ा योगदान रहा है। मंधाना ने तीनों ही फॉर्मेट में अपनी दमदार बल्लेबाजी दर्शकों का ध्यान महिला क्रिकेट की तरफ खींचा है। साथ ही लड़कियों में क्रिकेट खेलने के प्रति रुचि जगाई है। हांगकांग के खिलाफ भारतीय टीम की 137 रन से जीत के बाद मंधाना ने बीसीसीआई द्वारा साझा वीडियो में कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि यह मेरा काम है। मैंने कभी भी रिकॉर्ड्स और नंबर्स और इंडिया के लिए जीते गए मैचों की संख्या के अलावा किसी और चीज के बारे में नहीं सोचा। यह एक ऐसा पैमाना है जिसे आप वापस लेते हैं। आप यह वापस नहीं लेते कि आपने कितने रन या रिकॉर्ड तोड़े हैं।' मंधाना ने कहा, 'अगर मेरी वजह से दस प्रतिशत लड़कियां भी बैट और बॉल उठाकर क्रिकेट खेलना शुरू करती हैं, तो मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा होगा जिस पर मुझे हमेशा गर्व और खुशी होगी।' अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का कीर्तिमान हासिल करने पर मंधाना ने कहा, 'मिताली को देखते हुए बड़ी हुई हूं। वह हर किसी के लिए आदर्श रही हैं। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं 10,000 तक पहुंचूंगी और उनसे आगे निकल जाऊंगी। उम्मीद है कि 10,000 की लिस्ट में इंडियन सेट-अप से तीन-चार और खिलाड़ी होंगे और मैं इसी से आंकलन करना चाहूंगी। अगर मैं सवाल पर वापस आऊं, तो टॉप पांच लिस्ट में तीन या चार को साथ रखना बहुत अच्छा होगा, और वह तीन या चार भारतीय होंगे। मुझे लगता है कि मैं इसी से अपने करियर को आंकूंगी।'

स्मृति अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हो गई हैं। तीनों फॉर्मेट मिलाकर उन्होंने 10,880 रन बनाए हैं। हांगकांग के खिलाफ मैच में उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के 10,868 रन के रिकॉर्ड को तोड़ा।

मंधाना ने अपने खेल में सुधार की बात की। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगी कि आप एक बल्लेबाज या गेंदबाज के तौर पर कभी पूरे होते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है, तो क्रिकेट हमेशा आपको दिखाएगा कि आप पूरे नहीं हैं।'

दलीप ट्रॉफी: फाइनल में साउथ जोन के लिए खेलेंगे पडिक्कल और सिराज

नई दिल्ली । भारत के इंटरनेशनल खिलाड़ी देवदत्त पडिक्कल और मोहम्मद सिराज दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले मे साउथ जोन की तरफ से खेलेंगे। खिताबी मुकाबले में साउथ जोन की भिड़ंत ईस्ट जोन से 6 सितंबर से होनी है। ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेले थे, जिसे भारत ने 1-0 से अपने नाम किया था। इस सीरीज में पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा था और उन्होंने 2 टेस्ट मैचों में 328 रन बनाए थे। पडिक्कल के बल्ले से दोनों ही मुकाबलों में शतकीय पारी निकली थी और वह 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' रहे थे। सिराज का प्रदर्शन भी श्रीलंका के खिलाफ बढ़िया रहा था और उन्होंने कुल 4 विकेट अपने नाम किए थे। हालांकि, इन दोनों को फाइनल के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि इन्होंने टीम में किसकी जगह ली है। 'ईएसपीएन क्रिकइंफो' के अनुसार, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा नियमित रूप से भारत की टी20 टीम का हिस्सा हैं। इसके बावजूद, उनके दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलने की संभावना है। पडिक्कल और सिराज को फाइनल मुकाबले के लिए साउथ जोन के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि, यह मैच 10 सितंबर को खत्म होगा, जबकि भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज सिर्फ तीन दिन बाद शुरू होनी है। फिर भी उम्मीद की जा रही है कि ये खिलाड़ी फाइनल में खेल सकते हैं। तिलक ने हाल ही में नॉर्थ जोन के खिलाफ सेमीफाइनल में साउथ जोन के लिए शानदार शतक लगाया था और रेड-बॉल टूर्नामेंट के फाइनल में खेलने की इच्छा जाहिर की थी। तिलक वर्मा ने गुरुवार को कहा, 'मैं दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलना चाहता हूं। अभी हमारा मैच खत्म हुआ है और अफगानिस्तान के खिलाफ पहला टी20 मैच 13 सितंबर को है। इसी कारण मेरे पास फाइनल खेलने का समय है। फाइनल के बाद हमारे पास दो दिन का ब्रेक भी रहेगा। अगर मैं 11 सितंबर को टीम से जुड़ता हूं, तो एक दिन अभ्यास कर सकता हूं और फिर मैच खेलने के लिए तैयार रहूंगा।' तिलक ने सेमीफाइनल में साउथ जोन की कप्तानी की थी, जबकि ईशान किशन ईस्ट जोन की कमान संभालते हुए नजर आए थे। वैभव सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन के उपकप्तान की जिम्मेदारी संभाली थी।

पाक टीम में हुए बदलावों को लेकर गिलेस्पी ने की आकिब जावेद की आलोचना

बोले- डरकर खेल रहे खिलाड़ी

एडिलेड। पाकिस्तान के पूर्व हेड कोच जेसन गिलेस्पी ने इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौरे के बीच टीम में किए गए बड़े बदलावों के बाद चीफ सिलेक्टर आकिब जावेद की जमकर आलोचना की है। उन्होंने कहा कि नेशनल टीम के खिलाड़ी डर के साये में खेल रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में मिली बड़ी हार के बाद कड़े फैसले लिए हैं।

बोर्ड ने हेड कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को उनके पद से हटा दिया। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान, इमाम-उल-हक और सलमान अली आगा समेत सात खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर घर भेज दिया गया है। यह कार्रवाई हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद की गई। 2024 में पाकिस्तान टीम को कोचिंग देने वाले गिलेस्पी ने कहा कि अचानक हटाए जाने से पता चलता है कि जावेद की अगुवाई वाली सिलेक्शन कमेटी में रणनीतिक दिशा की पूरी तरह कमी है।

शुक्रवार को गिलेस्पी ने कहा, 'मुझे खिलाड़ियों के लिए बुरा लगता है, यह उनकी रोजी-रोटी है। बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि वे डरकर खेल रहे हैं। सलमान अली आगा इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम की कप्तानी करते हैं, फिर दूसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर हो जाते हैं और तीसरे टेस्ट से पहले घर लौटने वाले प्लेन में होते हैं। यह कैसे होता है? यह बिल्कुल साफ है कि उनके पास कोई सिलेक्शन रणनीति नहीं है, खासकर आकिब जावेद के नेतृत्व में। वे अपनी राय वैसे ही बदलते हैं, जैसे पैंट बदलते हैं- रोजाना।'

भारतीय अंडर 19 टीम के लेग स्पिनर रोहित यादव पर 2 साल का बैन

उम्र में गड़बड़ी के कारण कार्रवाई

नई दिल्ली । क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) को रोहित यादव के जन्म से जुड़े कागजात में उम्र को लेकर बड़ी गड़बड़ी मिली है, जिसके बाद भारत की अंडर-19 पुरुष टीम के लेग-स्पिनर पर दो साल का बैन लगा दिया गया है। यादव जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई भारत की अंडर-19 पुरुष टीम का हिस्सा थे और उन्होंने यूथ टेस्ट में 6 विकेट भी लिए थे। हालांकि, कागजात की जांच में जन्म-रिकॉर्ड में बड़ी गड़बड़ी पाए जाने के बाद अब उन्हें खेल के सभी फॉर्मेट में खेलने से रोक दिया गया है। इस कारण उन्हें उस टीम से भी बाहर कर दिया गया है, जो इस महीने के आखिर में राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच वनडे और दो मल्टी-डे मैच खेलने वाली है। शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने 'आईएएनएस' को बताया, 'हां, सीएबी से जानकारी मिलने के बाद उन्हें टीमों से हटा दिया गया है। दोनों टीमों में उनकी जगह कौन लेगा, इस बारे में बाद में पता चलेगा।' सीएबी की जांच में यादव से जुड़े कई दस्तावेजों में अलग-अलग जानकारी मिली। जांच के दौरान उनके तीन अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्र सामने आए, जिनमें जन्म वर्ष 2006, 2007 और 2009 दर्ज है। इसके अलावा, 2014 से 2021 के बीच उनके आधार कार्ड की जानकारी में भी कई बार बदलाव किए गए थे। माना जा रहा है कि इन अलग-अलग रिकॉर्ड की वजह से उनकी उम्र को लेकर करीब 27 महीने का अंतर सामने आया है।

सीएबी की कार्रवाई के तहत, उम्र में गड़बड़ी और कागजात में अनियमितताओं के कारण कुल 65 खिलाड़ियों को 2026-27 और 2027-28 घरेलू सीजन के लिए रजिस्ट्रेशन या ट्रांसफर से रोक दिया गया है। सजा पाने वालों में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रवि कुमार भी शामिल हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अंडर-19 विश्व कप 2022 के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 34 रन देकर 4 विकेट लिए थे और भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, सीएबी की जांच में रवि कुमार की उम्र से जुड़े रिकॉर्ड में 45 महीने का अंतर पाया गया है। इसके चलते 2021/22 से 2025/26 सीजन के बीच जूनियर और उम्र-वर्ग की प्रतियोगिताओं में उनके सभी रिकॉर्ड अमान्य माने जाएंगे।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com